संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 72
पृष्ठ 8
रविवार
29 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- वजन घटाने में मदद करेगा...

विचार- संविधान दिवस पर दिमागी नक्सल...

खेल- क्राइस्टचर्च में संकट में टीम इंडिया

नारी शक्ति से किया वादा पूरा करके रहेंगे

महिला आरक्षण विधेयक पर बोले पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर करेगी, और जो पार्टियां इस कदम का विरोध ा कर रही हैं, वे इसे रोक नहीं पाएंगी।

अगले हफ्ते संसद के विशेष सत्र में परिसीमन से जुड़े महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा और उसे पारित करने से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (ट्विटर) पर एक वीडियो संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि देश की श्नारी शक्तिश से एक वादा किया गया है और सरकार उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

संविधान (132वां संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है। इसमें राज्यों से 815 और



केंद्र शासित प्रदेशों से 35 सदस्य हो सकेंगे। साथ ही, राज्य विधानसभाओं के लिए अधिकतम सीटों की सीमा भी 500 से बढ़ाकर 650 करने का प्रावधान है।

उन्होंने कहा, श्महिला आरक्षण का विरोध करने वाली पार्टियां देश की श्नारी शक्तिश को संसद और विधानसभाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने से कभी नहीं रोक पाएंगी।श यह बस समय की बात है।श पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का संकल्प पक्का है और उसे देशभर की महिलाओं का समर्थन हासिल है।

इसके साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर कहा, श्नारी शक्ति को जनप्रतिनिधित्व में भी मजबूत भागीदारी दिलाना मोदी सरकार का संकल्प रहा है। कल मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 132वें संविधान संशोधन विधेयक को दी गई मंजूरी के साथ ही देश की महिलाओं की दशकों पुरानी प्रतीक्षा समाप्त होने जा रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को लोकसभा व विधानसभाओं में जो 33ः आरक्षण दिया गया था, वह अब साकार होगा। विधानसभाओं में महिलाओं की कम से कम एक-तिहाई भागीदारी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की योजनाओं को और अधिक समावेशी बनाएगी, वहीं लोकसभा में उनकी उपस्थिति नीति निर्माण, कानून निर्माण और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के निर्धारण में एक नया आयाम जोड़ेगी।महिलाओं को शासन में मजबूत भागीदार बनाने वाली इस ऐतिहासिक पहल का सभी दल समर्थन करें।

आगे कहा, श्कैबिनेट की ओर से 132वें संविधान संशोधन विधेयक को दी गई मंजूरी देश के सभी राज्यों में जनप्रतिनिधित्व बढ़ाने व शासन को जनता के और करीब लाने का बहुत बड़ा कदम है। साथ ही, इसमें अनुच्छेद 170(1) में संशोधन कर राज्य विधानसभाओं की सीटों की अधिकतम सीमा 500 से बढ़ाकर लगभग 650 करने का प्रस्ताव भी है। इस प्रावधान से उत्तर प्रदेश अविभाजित रहते हुए विधानसभा में अपना प्रतिनिधित्व बढ़ा सकेगा। साथ ही, महिलाओं को मिलने वाले एक-तिहाई आरक्षण से प्रदेश की महिलाओं को अब तक का सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व मिलेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं

भारत स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियां बना रहा, 427 नौसेना अधिकारी हुए पास आउट

कन्नूर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार, 28 नवंबर को केरलम के कन्नूर जिले में स्थित भारतीय नौसेना अकादमी (ईएनए), एझिमाला की पासिंग आउट परेड में शामिल हुईं। अकादमी के ऑटम टर्म-2026 का यह समारोह एझिमाला के परेरा परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया। राष्ट्रपति इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और निरीक्षण अधिकारी के रूप में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आज की आपस में जुड़ी दुनिया में समुद्री क्षेत्र का महत्व लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्री रास्तों से होता है। ऐसे में इन मार्गों की सुरक्षा सीधे देशों की आर्थिक खुशहाली और आम लोगों के दैनिक जीवन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि जहाजों की आवाजाही में किसी भी तरह की बाधा से जरूरी सामानों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे वस्तुओं की लागत बढ़ती है और आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।

उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि समुद्र में उनकी



सेवा भारत के लोगों के जीवन से जुड़ी है। उनका काम देश की सुरक्षा, समृद्धि और नागरिकों के कल्याण में सीधे योगदान देता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। अब बड़ी संख्या में युद्धपोत और पनडुब्बियां भारतीय शिपयार्ड में डिजाइन और तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और देश के इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, कुशल श्रमिकों तथा उद्योगों की क्षमता पर भरोसे को दिखाता है। नौसेना के अधिकारी भी मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा का हिस्सा होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है। नई तकनीक युद्ध और समुद्री सुरक्षा का स्वरूप बदल रही है।

शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण एवं प्रयागराज इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच प्रयागराज की महिला काव्यगोष्ठी आज शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना की अध्यक्षता में शहर समता विचार मंच के कार्यालय कर्नलगंज में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस



अवसर पर शहर समता महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया। इस आयोजन की मुख्य अतिथि गीता सिंह रही। यह काव्य गोष्ठी साय तीन बजे से सात बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना एवं मुख्य अतिथि गीता सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति शरद श्रीवास्तव द्वारा की गयी। आयोजन के प्रथम सत्र में महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक का लोकार्पण हुआ। संपादकीय वाचन उमेश श्रीवास्तव ने किया। दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी हुई जिसका कुशल संचालन शहर समता अखबार के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में रचना सक्सेना, शरत चन्द्र श्रीवास्तव,पाल प्रयागी, राकेश मालवीय, उमेश श्रीवास्तव, गीता सिंह एवं संजय सक्सेना ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें जिसमें पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन संजय सक्सेना ने किया।

वाराणसी में बोले सीएम योगी

काशी में जल्द शुरू होगा देश का पहला अर्बन रोपवे, पर्यटन और रोजगार को मिलेगी गति

वाराणसी (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी में देश का पहला अर्बन रोपवे जल्द शुरू होने जा रहा है। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। काशी के 84 घाट शहर को नई ऊंचाई देते हैं। गंगा आरती, अलकनंदा क्रूज, नमो घाट और गंगा विलास जैसे पर्यटन के साधनों ने यहां की पहचान को विस्तार दिया है। पर्यटन से लाखों परिवारों को रोजगार मिलता है।

शनिवार को बीएचयू के कला संकाय स्थित राधाकृष्णन सभागार में बनारस बिएनाले का उद्घाटन और भारत कला भवन की गैलरी का अनावरण करने पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सीआईआई जैसा मंच कला से जुड़ता है तो यह एहसास होता है कि अर्थ और संस्कृति एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। काशी की आस्था को अर्थव्यवस्था



के साथ जोड़कर उसकी परंपरा और विरासत को नए तरीके से आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन काल में काशी में सर्वश्रेष्ठ पंचांग तैयार किया जाता था। आज भी काशी का पंचांग सबसे ज्यादा व्यवहारिक माना जाता है। इसी के आधार पर मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तुलसीदास ने यहीं रामचरितमानस की रचना की। मुंशी प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद और भारतेंदु हरिश्चंद्र जैसे साहित्यकारों ने काशी को समृद्ध किया।

उन्होंने कहा कि जो भी काशी आया, वह काशी का होकर रह गया। जिसने जिस दृष्टि से काशी को देखा, वह उसी रंग में रंग गया। सिख और बौद्ध परंपराओं सहित विभिन्न संस्कृतियों के लोगों ने भी काशी से जुड़ाव महसूस किया है।

सीएम योगी ने कहा कि बनारस बिएनाले काशी की परंपरा से मेल खाता है। इसकी यात्रा वेनिस से कोच्चि और फिर काशी पहुंची है। काशी की विरासत दुनिया के इतिहास से भी प्राचीन है। बीएचयू के म्यूजियम को देखकर इसकी समृद्ध विरासत का अनुभव होता है।

जम्मू कश्मीर है 'भारत का ताज', राजनाथ बोले

पीएम मोदी के नेतृत्व में बुनियादी ढांचा हुआ मजबूत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पैदल मार्च का नेतृत्व किया, जिसमें पार्टी के सैकड़ों नेताओं, चुने हुए प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। जम्मू-कश्मीर बीजेपी ने श्महापदयात्राश का आयोजन किया। पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस और श्इंडियाश (फ्छक्।) गठबंधन लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने, राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने और लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इसल दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद दुनिया की कोई भी ताकत जम्मू-कश्मीर को एक विकसित राज्य बनने से नहीं रोक सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार आतंकवाद पर लगाम लगाने में काफी हद तक सफल रही है और इस क्षेत्र में अलगाववादी ताकतों का प्रभाव धीरे-धीरे कम हो रहा है। सिंह ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि वे लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं और बिना किसी सबूत के चुनावी गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं। रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर को श्भारत का ताजश बताते हुए कहा कि देश के साथ इसका पूर्ण विलय भाजपा के लिए कभी भी केवल एक क्षेत्रीय मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करने की एक प्रतिबद्धता रही है। सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, दुनिया की कोई भी ताकत जम्मू-कश्मीर को भारत का एक विकसित राज्य बनने से नहीं रोक सकती।



PRESS
हमेशा आपके साथ
शहर समता NEWS

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

मैच खेलकर लौट रहे दोस्तों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा गंभीर

प्रयागराज। मैदान पर दोस्तों के साथ मैच खेलकर लौट रहे दो युवकों की खुशियां चंद पलों में मातम में बदल गईं। कालिंदीपुरम ओवरब्रिज पर देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार सार्थक केसरवानी की मौके पर ही मौत हो गई,



जबकि उसका साथी करण श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की खबर मिलते ही दोनों के परिवारों में कोहराम मच गया। कालिंदीपुरम ओवरब्रिज पर शुक्रवार की देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों धूमनगंज स्थित चतुर्थ वाहिनी पीएसी के मैदान पर मैच खेलकर लौट रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में डांडी निवासी सार्थक केसरवानी (25) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कालिंदीपुरम निवासी करण श्रीवास्तव (28) गंभीर रूप से घायल हो गया। करण को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सार्थक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सार्थक एक निजी फाइनेंस कंपनी में काम करता था, जबकि करण एक निजी मोबाइल कंपनी में प्रमोटर है। बताया जा रहा है कि मैच खेलने के बाद मैदान से लौटते समय सार्थक ने अपने मोबाइल पर व्हाट्सएप स्टेटस भी लगाया था।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पॉलिटेक्निक छात्र की मौत, परीक्षा देने के लिए निकला था घर से

परीक्षा देने के लिए घर से निकले पॉलिटेक्निक छात्र की रास्ते में हुए सड़क हादसे में जान चली गई। ससुर खदेरी नदी के पास कटहुला मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से निखिल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के गांजा गांव निवासी निखिल सिंह पुत्र मान सिंह की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। निखिल पॉलिटेक्निक का छात्र था। शनिवार को सुबह सात बजे उस समय हादसा हुआ जब वह परीक्षा देने के लिए जा रहा था। ससुर खदेरी नदी के पास कटहुला मार्ग पर किसी वाहन ने उसको ट्क्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

नए यमुना पुल पर दो कारों की भिड़ंत, डेढ़ किलोमीटर लंबा लगा जाम

प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के लेप्रोसी चौराहे के पास नए यमुना पुल पर शनिवार को सुबह करीब सात बजे दो कारों में टक्कर हो गई। इससे सड़क पर जाम लग गया। हादसे के बाद दोनों वाहनों के परखचे उड़ गए। कार में सवार लोगों को चोटे आई हैं। नैनी कोतवाली क्षेत्र के लेप्रोसी चौराहे के पास नए यमुना पुल पर शनिवार को सुबह करीब सात बजे दो कारों में टक्कर हो गई। इससे सड़क पर जाम लग गया। हादसे के बाद दोनों वाहनों के परखचे उड़ गए। कार में सवार लोगों को चोटे आई हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। मौके पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। हादसे के चलते सड़क डेढ़ किलोमीटर लंबा जाम लग गया। काफी देर तक वाहन रेंगते रहे। हादसा सुबह कोहरे के चलते हुए।

दोस्त के साथ निकले युवक की संदिग्ध दशा में मौत, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। नई झूंसी केवटाना बस्ती निवासी पिकप चालक की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। वह दोस्त के घर गया था जहां उसकी हालत बिगड़ गई थी। परिजन उसको लेकर घर पहुंचे और अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तब तक उसकी मौत हो गई। नई झूंसी केवटाना बस्ती निवासी पिकप चालक की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। वह दोस्त के घर गया था जहां उसकी हालत बिगड़ गई थी। परिजन उसको लेकर घर पहुंचे और अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तब तक उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

जितेंद्र गुप्ता (24) पुत्र स्व. होरीलाल के पास टाइल्स कंपनी में पिकप चलाता था। शुक्रवार को दिन में करीब एक बजे वह अपने दोस्त रंजीत के साथ कहीं निकला था। इसके बाद वह घर आया गया। शाम चार बजे रंजीत फिर घर आया और जितेंद्र को अपने साथ ले गया। रात में करीब आठ बजे उसने जितेंद्र के भाई को फोन करके बताया कि जितेंद्र की तबीयत काफी खराब हो गया है, आकर उसको ले जाइये। बड़ा भाई जब रंजीत के घर पहुंचा तो जितेंद्र नशे में धुत था और अचेतावस्था में पड़ा था। उसको घर लाया गया। परिजनों ने सोचा कि रात में नशा उतर जाएगा तो वह ठीक हो जाएगा, लेकिन सुबह जितेंद्र की सांसें थम चुकी थी। इससे परिवार में कोहराम मच गया। वह पांच भाइयों में सबसे छोटा था। मां और पिता की मौत पहले ही हो चुकी है। वह दो पिकप मालवाहक रखा गया। एक खुद चलाता था और दूसरा ड्राइवर से चलवाता था। घटना की सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आशंका जताई जा रही है कि ज्यादा नशा करने के चलते उसकी मौत हो गई है। उसकी तबीयत पहले से ही खराब चल रही थी। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी।

चलती रोडवेज बस का पहिया निकला, लहराता हुआ खेत में जा गिरा

प्रयागराज। प्रतापगढ़ से प्रयागराज आ रही एक रोडवेज बस शुक्रवार दोपहर मऊआइमा के पास हादसे का शिकार होते–होते बच गई। चलती बस का पहिया अचानक धुरी से निकलकर सड़क किनारे खेत में जा गिरा। प्रतापगढ़ से प्रयागराज आ रही एक रोडवेज बस शुक्रवार दोपहर मऊआइमा के पास हादसे का शिकार होते–होते बच गई। चलती बस का पहिया अचानक धुरी से निकलकर सड़क किनारे खेत में जा गिरा। गनीमत रही कि चालक ने समय रहते स्थिति को भांप लिया और सूझबूझ दिखाते हुए बस को नियंत्रित कर रोक लिया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद किसी राहगीर ने सड़क पर खड़ी बस का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बस का पहिया निकलकर काफी दूर खेत में पड़ा है। हालांकि, अखबार इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। बताया जा रहा है कि पहिया निकलते ही बस में तेज झटका लगा, जिससे अंदर बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। बस रुकते ही यात्री घबराकर नीचे उतर आए।

आठ साल की बालिका के साथ निषादराज किले में सामूहिक दुष्कर्म, हालत बिगड़ने पर भागे किशोर

श्रृंगवेरपुर (प्रयागराज)। प्रयागराज में आठ वर्षीय बालिका के साथ दरिंदगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बकरी चराकर घर लौट रही बालिका को दो किशोर कथित तौर पर निषादराज किले के भीतर ले गए। देर शाम तक घर नहीं पहुंची तो बुआ तलाशते हुए किले में पहुंचीं, जहां बालिका बेहोशी की हालत में मिली। घटना की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और कई किशोरों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।



नवाबगंज थाना क्षेत्र के निषादराज किले में आठ वर्षीय बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि वारदात को अंजाम देने वाले दोनों किशोर नाबालिग हैं। बालिका को गंभीर हालत में उपचार के लिए डफरिन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में पूछताछ के लिए गांव के कई किशोरों को हिरासत में लिया है।

फाफामऊ थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली करीब आठ वर्षीय बालिका नवाबगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में अपनी बुआ के घर आई थी। शुक्रवार को वह रोज की तरह बकरी चराने के लिए निकली थी। शाम को बकरी चराकर लौटते समय गांव के दो किशोरों ने उसे कथित तौर पर पकड़ लिया। आरोप है कि दोनों उसे निषादराज किले के भीतर ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद बालिका के बेहोश होने पर दोनों वहां से भाग निकले। देर शाम तक बालिका घर नहीं पहुंची तो उसकी बुआ ने तलाश शुरू की। खोजते हुए वह निषादराज किले के भीतर पहुंची तो बालिका वहां बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। उसके शरीर पर चोटों के निशान थे। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। होश में आने पर बालिका ने कथित आरोपियों के नाम बताए। इसके आधार पर पुलिस ने गांव में उन नामों के कई किशोरों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बालिका का उपचार डफरिन अस्पताल में चल रहा है।

विंध्य एक्सप्रेस-वे के लिए अगले सप्ताह से होगा भूमि का अधिग्रहण, 7600 काश्तकारों को मिलेगा मुआवजा

प्रयागराज। प्रयागराज से सोनभद्र तक प्रस्तावित विंध्य एक्सप्रेस–वे के निर्माण की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। परियोजना के लिए प्रयागराज की तीन तहसीलों के 71 गांवों में 800 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत की जाएगी। इसमें 650 हेक्टेयर निजी भूमि किसानों से ली जाएगी, जबकि 150 हेक्टेयर सरकारी जमीन होगी। भूमि अधिग्रहण से प्रभावित करीब 7600 काश्तकारों को 1200 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाएगा। अगले सप्ताह से अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होने की तैयारी है। प्रयागराज से सोनभद्र तक प्रस्तावित विंध्य एक्सप्रेस–वे के निर्माण की दिशा में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। परियोजना के तहत प्रयागराज जिले की फूलपुर, हंडिया और सोरांव तहसीलों के 71 गांवों की जमीन अधिग्रहीत की जाएगी। संबंधित तहसीलों में काश्तकारों की जमीनों की खतौनी का सत्यापन पूरा होने के बाद अगले सप्ताह से अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू किए जाने की तैयारी है।



इस परियोजना के लिए कुल 800 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता निर्धारित की गई है। इसमें 650 हेक्टेयर जमीन किसानों से अधिग्रहीत की जाएगी जबकि शेष 150 हेक्टेयर सरकारी भूमि है। भूमि अधिग्रहण से प्रभावित लगभग 7,600 किसानों को कुल 1200 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की ओर से इसके लिए मंजूरी दी गई है।

तीन तहसीलों के 71 गांव होंगे प्रभावित

विंध्य एक्सप्रेस–वे के प्रयागराज जिले से गुजरने वाले हिस्से के लिए फूलपुर, हंडिया और सोरांव तहसीलों के 71 गांवों को चिह्नित किया गया है। भूमि अभिलेखों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसानों की जमीन अधिग्रहण से संबंधित औपचारिकताएं आगे बढ़ाई जाएंगी। परियोजना में निजी और सरकारी, दोनों श्रेणियों की भूमि का उपयोग प्रस्तावित है। कुल 800 हेक्टेयर में से 650 हेक्टेयर निजी भूमि किसानों से ली जाएगी।

गंगा एक्सप्रेस–वे से जुड़ेगा विंध्य एक्सप्रेस–वे

प्रस्तावित मार्ग की एक प्रमुख विशेषता इसका गंगा एक्सप्रेस–वे से जुड़ाव है। प्रयागराज के सोरांव में गंगा एक्सप्रेस–वे के अंतिम बिंदु से विंध्य एक्सप्रेस–वे की शुरुआत प्रस्तावित है। इससे दोनों एक्सप्रेस–वे के माध्यम से लंबी दूरी की सड़क कनेक्टिविटी विकसित करने की योजना है। इस संपर्क मार्ग से दिल्ली और उत्तराखंड की ओर से आने वाले यात्रियों को प्रयागराज के रास्ते सोनभद्र तथा उससे लगे राज्यों तक पहुंचने का वैकल्पिक और सीधा सड़क मार्ग मिल सकेगा। यूपी के सोनभद्र की सीमा से लगे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार की सीमा से लगे क्षेत्रों को भी मिलेगा।

औद्योगिक गतिविधियों व धार्मिक पर्यटन को मिलेगी गति

विंध्य एक्सप्रेस–वे का संभावित प्रभाव केवल सड़क परिवहन तक सीमित नहीं रहेगा। बेहतर सड़क संपर्क से प्रयागराज, सोनभद्र और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों, माल परिवहन और क्षेत्रीय व्यापार को सुविधा मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से सोनभद्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए पड़ोसी राज्यों के साथ आवागमन और संपर्क में सुधार हो सकता है। इसके अतिरिक्त, प्रयागराज में महाकुंभ जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान भी यह मार्ग उपयोगी साबित होगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार से आने वाले श्रद्धालुओं को प्रयागराज पहुंचने के लिए एक अतिरिक्त सड़क संपर्क का विकल्प उपलब्ध होगा।

यूपीपीएससी: आयोग के लिए आसान नहीं होगा संशोधित परिणाम जारी करना, डबल बेंच में अपील दाखिल करने की तैयारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपीपीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2025 का परिणाम रद्द कर नए सिरे से मेरिट सूची तैयार करने और दोबारा मुख्य परीक्षा कराने के आदेश ने आयोग के साथ–साथ इंटरव्यू दे चुके अभ्यर्थियों की मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपीपीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2025 का परिणाम रद्द कर नए सिरे से मेरिट सूची तैयार करने और दोबारा मुख्य परीक्षा कराने के आदेश ने आयोग के साथ–साथ इंटरव्यू दे चुके अभ्यर्थियों की मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं। अब पीसीएस–2025 की मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की पूरी प्रक्रिया को नए सिरे से आयोजित करना आयोग के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

हालांकि, आयोग कोर्ट के आदेश की समीक्षा के बाद इसके खिलाफ डबल बेंच में अपील करेगा। पीसीएस के साथ–साथ सहायक अभियोजन अधिकारी (एपीओ)–2025 से जुड़े आदेश के खिलाफ भी अपील की तैयारी की जा रही है। आयोग के सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी ने बताया कि डबल बेंच में अपील दाखिल करने के लिए शासन से अनुमति ली जाएगी।

याचिकाकर्ताओं का तर्क है लोक सेवा आयोग ने प्रारंभिक परीक्षा की श्रेणीवार सूची तैयार करते समय अनारक्षित श्रेणी को सिर्फ सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित मान लिया। आरक्षित वर्ग (ओबीसी और एससी) के जिन अभ्यर्थियों ने अनारक्षित श्रेणी के अंतिम चयनित अभ्यर्थी से अधिक अंक प्राप्त किए थे उन्हें अनारक्षित सूची में रखने की बजाय उनकी ही आरक्षित श्रेणी में रखा गया। आयोग ने स्वीकार किया है कि प्रारंभिक परीक्षा में 321 ओबीसी और 43 अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के अभ्यर्थियों ने अनारक्षित श्रेणी के कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त किए थे।

संविधान की भावना के अनुकूल नहीं हर चरण में आरक्षण

प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी प्रशांत पांडेय ने कहा कि अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए लोक सेवा आयोग को आगे आना चाहिए और भर्ती प्रक्रिया को विवादरहित संपन्न कराने के लिए अपील करनी चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अंतिम परिणाम में आरक्षण पहले से ही देय है, ऐसे में प्रत्येक चरण में इसे लागू करना न तो आरक्षण की मूल मंशा के अनुरूप है और न ही संविधान की भावना के अनुकूल। पांडेय के अनुसार, जब कोई अभ्यर्थी आरक्षण के किसी भी नियम का लाभ एक बार ले लेता है, तो वह अनारक्षित वर्ग में नहीं जा सकता।

प्रयागराज जंक्शन पर यात्रियों को मिलेगी एसी लाउंज और केबिन डॉरमेट्री की सुविधा

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने यात्री सुविधाओं के विस्तार और उपलब्ध परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग की दिशा में कदम बढ़ाते हुए स्टेशन पर रिटायरिंग रूम, केबिन डॉरमेट्री और वातानुकूलित प्रतीक्षालय–सह–लाउंज विकसित करने की पहल की है। इसके लिए ई–नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जंक्शन पर आने–जाने वाले यात्रियों को जल्द ही आधुनिक और आरामदायक विश्राम की सुविधा मिलने जा रही है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने यात्री सुविधाओं के विस्तार और उपलब्ध परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग की दिशा में कदम बढ़ाते हुए स्टेशन पर रिटायरिंग रूम, केबिन डॉरमेट्री और वातानुकूलित प्रतीक्षालय–सह–लाउंज विकसित करने की पहल की है। इसके लिए ई–नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। प्रयागराज रेलवे स्टेशन के सिविल लाइंस साइड में स्थित गेमिंग जोन के बगल में इन बहुउद्देशीय सुविधाओं की स्थापना, संचालन और अनुरक्षण के लिए पांच वर्ष की अवधि का टेंडर नई दिल्ली की फर्म मेसर्स ओम साईं राम एंटरप्राइजेज को आवंटित किया गया है। आवंटित क्षेत्र में अत्याधुनिक रिटायरिंग रूम और केबिन डॉरमेट्री तैयार की जाएगी। इस सुविधा को आगामी माघ मेला–2027 से पहले यात्रियों के लिए शुरू करने की योजना है। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह के अनुसार माघ मेले के पहले एसी लाउंज और डॉरमेट्री की सुविधा शुरू किए जाने की योजना है।

15 दिसंबर तक शुरू होंगी सिक्स लेन ब्रिज की एक लेन, 4 दिसंबर को होगा गंगा पूजन

प्रयागराज। माघ मेला 2027 में श्रद्धालुओं को जाम से राहत दिलाने और आवागमन सुगम बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मलाका से स्टेनली रोड की ओर आने वाले छह लेन पुल की एक लेन 15 दिसंबर तक यातायात के लिए खोलने की तैयारी है। इससे लखनऊ, प्रतापगढ़ और अयोध्या की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने शुक्रवार को मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

माघ मेला 2027 में श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात सुविधा देने और शहर को जाम से राहत दिलाने की तैयारी तेज हो गई है।



मलाका से स्टेनली रोड की ओर आने वाले सिक्स लेन ब्रिज की एक लेन 15 दिसंबर तक यातायात के लिए तैयार हो जाएंगी। इससे लखनऊ, प्रतापगढ़ और अयोध्या से आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने मेला अधिकारी ऋषि राज और विभागीय अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की।

एनएचएआई अधिकारियों ने मंडलायुक्त को बताया कि ब्रिज की दाहिनी तरफ की की एक लेन 15 दिसंबर तक यातायात के लिए खोलने की तैयारी है। इससे मेला क्षेत्र के साथ शहर में भी यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। मंडलायुक्त ने सेक्टर एक में पांटून नंबर एक के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। पीडब्ल्यूडी की ओर से कराए जा रहे कार्यों की प्रगति जानी और जरूरी निर्देश दिए। गत दिनों जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने भी सिक्स लेन पुल के निर्माण में देरी पर नाराजगी जताई थी। पुल निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण करने के दौरान कार्य की धीमी रफ्तार मिलने पर उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को फटकार लगाई और 10 दिसंबर तक पुल के एक साइड का निर्माण कार्य हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा तक एक साइड का काम पूरा नहीं हुआ तो कार्यदायी संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। इसके अलावा अन्य आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम ने पुल निर्माण में गुणवत्ता के साथ सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदायी संस्था को मशीनरी और मैनपावर बढ़ाकर निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा। पुल निर्माण की नियमित निगरानी के लिए सेतु निगम के एक अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

सपा में टिकट की राह आसान नहीं, प्रयागरा–कौशाम्बी में जिताऊ चेहरों की तलाश में जुटा पार्टी हाईकमान

प्रयागराज। विधानसभा चुनाव की आहट के साथ प्रयागराज और कौशाम्बी में समाजवादी पार्टी ने अपनी चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। दोनों जिलों की 15 विधानसभा सीटों पर टिकट के दावेदारों की राह इस बार आसान नहीं होगी। पार्टी हाईकमान गोपनीय सर्वे करा चुका है। अब दावेदारों की राजनीतिक छवि, क्षेत्र में पकड़, जातीय समीकरण और जीतने की क्षमता कसौटी पर होगी। कौशाम्बी और प्रयागराज जिलों में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी ने यहां की 15 सीटों पर अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। वर्ष 2022 के चुनाव में सपा ने अपना दल (कमेरावादी) की पल्लवी पटेल सहित सात सीटें जीती थीं। आठ सीटों पर हार मिली थी। इन हारी हुई सीटों में से कांग्रेस ने पांच सीटों की मांग की है। इस बार सियासी संग्राम में सपा से टिकट पाने के लिए दावेदारों को कड़े इम्तिहान से गुजरना होगा। कांग्रेस की इस मांग से जिले की राजनीति में कई तरह की चर्चाएं हैं। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के लिए टिकट वितरण एक चुनौती हो सकती है। कारण स्थानीय होने के नाते उनकी राय मांगी जा सकती है। पार्टी उन सीटों पर दो से तीन नए चेहरे उतारने पर विचार कर रही है, जहां वह पहले जीती थी।

सपा एलएलसी मान सिंह यादव के अनुसार, पार्टी दलीय निष्ठा, छवि और समाजवादी सोच के आधार पर टिकट देगी। युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप यादव ने कहा कि इस बार सिफारिश पर टिकट नहीं मिलेगा। दावेदारों के दम और विधानसभा क्षेत्र में उनके समीकरणों का आकलन किया जाएगा। पार्टी हाईकमान गोपनीय सर्वे करा चुका है। जरूरत पड़ने पर इंटरव्यू भी कराएगी। गंगापार के जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने बताया कि गठबंधन की सीटें पार्टी मुखिया के स्तर से ही तय होंगी।

समाजवादी पार्टी जातिगत समीकरणों और प्रत्याशी की छवि को ध्यान में रखकर टिकट बांटेगी। केवल चुनाव लड़ने की मंशा से पार्टी में आए व्यक्ति को प्रत्याशी नहीं बनाया जाएगा। पार्टी मुखिया दावेदारों से यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि टिकट न मिलने पर वे पार्टी नहीं छोड़ेंगे। हाल ही में भाजपा छोड़कर विदुप अग्रहरी और पूर्व विधायक अजय भारती ने सपा की सदस्यता ली है। सपा के प्रदेश प्रवक्ता दान बहादुर मधुर के अनुसार, पार्टी जिताऊ दावेदार और जातीय आधार पर दांव लगाएगी। कई दलों के कुछ बड़े नेता जल्द ही सपा में आ सकते हैं।

कुंदन गेस्ट हाउस से 80 फीट रोड तक चला बुलडोजर, 125 लोगों को थमाया नोटिस

प्रयागराज। नगर निगम के प्रवर्तन दल ने शुक्रवार को जोन–4 में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। कुंदन गेस्ट हाउस से लेकर 80 फीट रोड तक लगभग 150 मीटर के दायरे में सड़क किनारे किए गए स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया गया। नगर निगम के प्रवर्तन दल ने शुक्रवार को जोन–4 में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। कुंदन गेस्ट हाउस से लेकर 80 फीट रोड तक लगभग 150 मीटर के दायरे में सड़क किनारे किए गए स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया गया। 12 लोगों के अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के साथ–साथ नगर निगम प्रशासन ने शहर के अन्य प्रमुख इलाकों में भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। निगम की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में सड़क और फुटपाथ घेरने वाले कुल 125 अतिक्रमणकारियों को चिह्नित कर उन्हें अंतिम नोटिस जारी किया है।

संक्षिप्त

आयुष्मान योजना: फर्जी पैथोलॉजी रिपोर्ट पर सरकार सख्त, हेरफेर पर अस्पताल पर गिरेगी गाज

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मरीजों के इलाज में किसी भी तरह की लापरवाही, फर्जीवाड़े और अनियमितता को रोकने के लिए सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर निजी पैथोलॉजी लैब और कुछ चिकित्सकों की कथित साठगांठ से जांच रिपोर्टों में हेरफेर करने तथा मरीजों को अनावश्यक जांचों के लिए भेजने की शिकायतों पर शिकंजा कस दिया गया है। योगी सरकार ने आयुष्मान योजना के तहत सूचीबद्ध सभी अस्पतालों के लिए पैथोलॉजी जांच की गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के लिए दिशा–निर्देशों का पालन अनिवार्य कर दिया है। अब किसी भी जांच रिपोर्ट को योग्य और रजिस्टर्ड पैथोलॉजिस्ट के सत्यापन और हस्ताक्षर के बिना मान्य नहीं किया जाएगा। वहीं, मशीन से तैयार जांच रिपोर्ट में मैनुअल बदलाव करने और फर्जी रिपोर्ट अपलोड करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि योगी सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को पारदर्शी, जवाबदेह और मरीजों के हितों के अनुरूप बनाने पर जोर दे रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की ओर से 10 नवंबर को जारी दिशा–निर्देशों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के सभी सूचीबद्ध अस्पतालों के लिए लागू किया गया है। साचीज ने इस संबंध में आयुष्मान योजना से जुड़े सभी अस्पतालों को स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए हैं। इसका मकसद जांच के नाम पर होने वाले संभावित फर्जीवाड़े, गलत रिपोर्टिंग और मरीजों पर अनावश्यक आर्थिक एवं चिकित्सकीय बोझ को रोकना है। नए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक पैथोलॉजी जांच रिपोर्ट का सत्यापन केवल अर्ह और रजिस्टर्ड पैथोलॉजिस्ट ही करेंगे। इसके लिए संबंधित विशेषज्ञ के पास एमडी, डीएनबी या डीसीपी पैथोलॉजी अथवा संबंधित विषय में मान्य योग्यता होना जरूरी है। रिपोर्ट पर पैथोलॉजिस्ट का नाम, शैक्षणिक योग्यता और पंजीकरण संख्या दर्ज करना भी अनिवार्य होगा। फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन या कोई अन्य कर्मचारी स्वतंत्र रूप से पैथोलॉजी रिपोर्ट जारी नहीं कर सकेगा। जांच केवल विधिवत पंजीकृत और अधिकृत पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं में ही कराई जाएगी। रिपोर्टों का योग्य एवं पंजीकृत पैथोलॉजिस्ट से सत्यापन अनिवार्य होगा। जांच रिपोर्टों में हेरफेर रोकने के लिए मशीन से तैयार होने वाले परिणामों को लेकर भी सख्त प्रावधान किया गया है। प्रत्येक मरीज के सैंपल को एक विशिष्ट पहचान संख्या देना अनिवार्य किया गया है।

महिला आरक्षण का विरोध करने वालों को महिलाएं याद रखेंगी : केशव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे पर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण लागू करने की राह में बाधा डालने का काम किया है। मौर्य ने कहा कि देश की मातृशक्ति महिला आरक्षण का विरोध करने वाले दलों को याद रखेगी। उन्होंने प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। केशव मौर्य ने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े प्रस्ताव देश के हित में हैं। इनके लागू होने से उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 80 से बढ़कर 120 और विधानसभा सीटें 403 से बढ़कर करीब 605 हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33: आरक्षण मिलने से राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। डिप्टी सीएम ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव और डिंपल यादव से बिल का विरोध नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े प्रावधान लोकतंत्र को मजबूत करने वाले हैं और संविधान की मूल भावना के अनुरूप हैं। केशव मौर्य ने कहा कि बिल पारित होने पर देश और उत्तर प्रदेश में खुशियां मनाई जाएंगी। उन्होंने विपक्षी दलों से महिला आरक्षण के मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की।

होमगार्ड अभ्यर्थियों का 55वें दिन भी जारी रहा धरना

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों का धरना शनिवार को 55वें दिन भी जारी रहा। एक अभ्यर्थी पिछले 17 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठा है। शनिवार को उसकी तबीयत बिगड़ गई। वहीं, प्रदर्शन में शामिल संतकबीरनगर के एक अभ्यर्थी ने पिछले दिनों सुसाइड कर लिया था। अभ्यर्थी भर्ती परीक्षा की वेटिंग लिस्ट जारी करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार को जल्द वेटिंग लिस्ट जारी करनी चाहिए। इसी मांग को लेकर वे पिछले 55 दिनों से धरने पर बैठे हैं। वहीं, महिला प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बैड टच का आरोप लगाया। अभ्यर्थियों ने कहा कि अंतिम चयन से बाहर हुए उम्मीदवारों को मौका मिलना चाहिए अभी 41,424 पद खाली है जिसे भरना बेहद जरूरी है। प्रदर्शनकरियों का दावा है कि होमगार्ड, यूपी पुलिस और यूपीएसएसएससी की भर्तियां एक ही समय पर चल रही हैं। कई उम्मीदवार एक से ज्यादा भर्तियों में शामिल हो सकते हैं। चयनितों के दूसरी भर्तियों में जाने से होमगार्ड के 15 से 20 हजार पद खाली रह सकते हैं। आदर्श नाम का अभ्यर्थी आमरण अनशन पर बैठा है। आदर्श ने बताया– 17 दिन से आमरण पर बैठा हूं। भोजन पूरी तरह से त्याग दिया है। शरीर कमजोर पड़ता जा रहा है, बोलने पर जोर नहीं लग रहा है। खड़े होने पर या बैठने पर चक्कर आने लगता है। परिवार से कह दिया है कि जब तक नियुक्ति नहीं मिलेगी, वापस नहीं लौटूंगा। मेरी अंतिम सांस तक लड़ाई चलेगी। पिताजी नहीं हैं। घर में माता अकेली हैं। बार–बार फोन करके चिंता जताती हैं, मगर बेरोजगारी से बेहतर मेरा आमरण अनशन है।

कंटेनर की टक्कर से महिला की मौत,बेटी गंभीर घायल

लखनऊ (संवाददाता)। बंथरा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह कंटेनर की टक्कर से पूनम (35) की मौत हो गई। वह पति रमेश रावत और 7 साल की बेटी संध्या के साथ सड़क पार कर रही थीं। हादसे में संध्या गंभीर रूप से घायल हुई, जबकि रमेश को मामूली चोटें आईं। पुलिस के मुताबिक, पूनम उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के आशा खेड़ा की रहने वाली थीं। वह पति और बेटी के साथ बंथरा थाना क्षेत्र के हिंदूखेड़ा में रहती थीं। शनिवार सुबह तीनों किसी काम से बंथरा जा रहे थे। कानपुर रोड पर जुनाबगंज तिराहे के पास मोहनलालगंज की ओर से आ रहे कंटेनर ने उन्हें टक्कर मार दी। पूनम सड़क पर गिर गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। टक्कर के बाद चालक कंटेनर छोड़कर भागने लगा।

काशी तमिल संगमम् 5.0 के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आज श्काशी तमिल संगमम् 5.0श के उपलक्ष्य में एक भव्य सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि यह वृहद आयोजन 28 नवंबर से 12 दिसंबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है, जिसकी मुख्य श्रृंखला नमो घाट, वाराणसी से जुड़ी है और इसका केंद्र बिंदु/थीम शतिरुक्कुरलश (शतिरुक्कुरल पयित्वोमश / शतिरुक्कुरल अभ्यास करेंश) रखा गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उत्तर और दक्षिण भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक विरासत के बीच संवाद स्थापित करना तथा युवाओं को श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश की भावना से जोड़ना रहा।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में पूरे कार्यक्रम का सजीव प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) किया गया, जिसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के संबोधन को भी प्रसारित किया गया। अपने उद्बोधन में माननीय मुख्यमंत्री जी ने काशी और तमिलनाडु के सदियों पुराने आध्यात्मिक व सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों से देश की विविधता में एकता की परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। आयोजन से जुड़े उद्बोधन/संवाद क्रम में चम्मू कृष्ण शास्त्री जी का उल्लेख भी प्रमुखता से रहा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन तथा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) अखिलेश कुमार सिंह जी के कुशल दिशा–निर्देशन में शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्र–छात्राओं ने अत्यंत उत्साह के साथ पूरे कार्यक्रम एवं उद्बोधन को सुना। संबोधन के पश्चात, द्वितीय सत्र में विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और अपने विचार व वाक्पटुता प्रस्तुत की। प्रतियोगिता के समापन पर निर्णायक मंडल द्वारा श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया। इसमें प्रथम स्थान संयुक्त रूप से सानिया केसरवानी (बी.ए. तृतीय वर्ष) तथा खुशी यादव (बी. एस–सी.) ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान अंश मिश्रा (बी.टेक.) तथा तृतीय स्थान अब्बू सुफियान ने हासिल किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष (डीन) एवं हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, हिंदी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. अजीत सिंह तथा अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. प्रदीप त्रिपाठी, डॉ. देवकीनंदन एवं डॉ. बबलू यादव सहित अन्य प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथियों, निर्णायकों, विजेताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।



लखनऊ मैराथन की तैयारी पूरी, रविवार की सुबह दौड़ेगा शहर

धावकों के बीच नजर आयेंगे अभिनेता नील नितिन मुकेश

लखनऊ (संवाददाता)। रन फॉर सेफ डिजिटल भारत, दौड़ेगा लखनऊ की थीम के साथ कल रविवार 29 नवम्बर को सुबह शहर दौड़ने के लिये पूरी तरह तैयार है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट एंड रिसर्च एवं संस्कृति युवा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में हो रही इस एसके मैराथन में फिल्म अभिनेता नील नितिन मुकेश धावकों का उत्साह भी बढ़ाते नजर आयेंगे। शहर के 1090 चौराहे से 21 किमी की हॉफ मैराथन की शुरूआत प्रातः 4:30 बजे से होगी। इसके बाद दस किलोमीटर व पांच किलोमीटर की दौड़ का आयोजन होगा। यह दौड़ 'रन फॉर सेफ डिजिटल भारत' के साथ महिला सशक्तीकरण और फिटनेस का संदेश देगी। इस मैराथन की आधिकारिक बीआईबी और टी–शर्ट का अनावरण के साथ ही आज बिब एक्सपो में सभी पंजीकृत धावकों ने शीरोज हैंगआउट से अपना बिब नंबर, इवेंट टी–शर्ट और मैराथन किट प्राप्त किये। आयोजक मुकेश मिश्रा ने बताया कि अभिनेता नील नितिन मुकेश 1090 चौराहा पर प्रातः आठ बजे पहुंच कर न सिर्फ धावकों का मनोबल बढ़ायेंगें बल्कि विजेताओं को पुरस्कृत भी करेंगे।



आयोजक मुकेश मिश्रा के मुताबिक लखनऊ मैराथन में 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में प्रतिभागी धावकों का रिपोर्टिंग समय प्रातः चार बजे और फ्लैग ऑफ सुबह 4: 30 बजे किया जायेगा।

जिसका रूट 1090 चौराहा , रिवरफ्रंट, अंबेडकर पार्क, सहारा शहर, नीरज पांडेय चौराहा, जी20 फ्लाईओवर से वापसी 1090 चौराहा होगा। इसी तरह 10 किलोमीटर रन का रिपोर्टिंग समय प्रातः साढ़े पांच बजे और फ्लैग ऑफ सुबह 6:00 बजे रखा गया है। जिसका रूट 1090 चौराहा, अंबेडकर पार्क, सहारा शहर, नीरज पांडेय चौराहा, गेट नंबर 5, जनेश्वर मिश्र पार्क की ओर से वापसी 1090 चौराहा रखा गया है। जबकि 5 किलोमीटर रन का रिपोर्टिंग समय सुबह छह बजे व फ्लैग ऑफ सुबह 6:40 बजे निर्धारित किया गया है, इस रन का रूट 1090 चौराहा, अंबेडकर पार्क, यू–टर्न वापसी 1090 चौराहा होगा। आयोजक मुकेश मिश्रा ने कहा कि एस.के. लखनऊ मैराथन का उद्देश्य केवल दौड़ आयोजित करना नहीं, बल्कि फिटनेस, सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को एक मंच पर लाना है। इस वर्ष श्रन फॉर सेफ डिजिटल भारतश के माध्यम से हम डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन सतर्कता का संदेश लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। नील नितिन मुकेश का रेस डे पर आयोजन में शामिल होकर धावकों का उत्साह बढ़ाना प्रतिभागियों के लिए विशेष आकर्षण होगा। हमारा प्रयास है कि लखनऊ इस आयोजन के माध्यम से फिटनेस और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति एक सकारात्मक संदेश दे। रेस डायरेक्टर मीनल द्विवेदी त्रिपाठी ने कहा कि मैराथन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से तैयार किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक धावक को सुरक्षित, सुगम और उत्साहपूर्ण अनुभव मिले। इस आयोजन में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना भी हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। रनिंग महिलाओं के स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और सशक्तीकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक महिलाएं आगे आएं, फिटनेस को अपनाएं और खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करें। रेस मेंटर हरिश कुमार ने कहा कि मैराथन धैर्य, अनुशासन और निरंतर प्रयास का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से शहर में रनिंग संस्कृति विकसित होती है और युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा मिलती है। हमारा प्रयास है कि प्रतिभागियों को बेहतर अनुभव मिले और लखनऊ में रनिंग समुदाय को लगातार मजबूत किया जा सके।

1 से 10 दिसम्बर तक होगा यू.पी. कोऑपरेटिव एक्सपो-2026- राठौर

ग्रामीण कृषकों, उत्पादकों व शिल्पकारों को शहरी उपभोक्ताओं से जोड़कर स्थापित होगा सशक्त बाजार संपर्क एक्सपो में इफको, नैफेड सहित डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, खादी, माटीकला व मत्स्य पालन से जुड़ी संस्थाएं करेंगी उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन

ओडीओपी व ओडीओसी को मिलेगा प्रोत्साहन

प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 से रात्रि 10 बजे तक खुला रहेगा एक्सपो, सायं 6 बजे से होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

लखनऊ (संवाददाता)। सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर की अध्यक्षता में लखनऊ में यू. पी. कोऑपरेटिव एक्सपो–2026 के आयोजन की बाबत जानकारी मीडिया से साझा की। सहकारिता मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश सहकारिता विभाग द्वारा 1 से 10 दिसम्बर तक गोमती नगर स्थित बैडमिंटन अकादमी में यूपी कोऑपरेटिव एक्सपो–2026 का आयोजन किया जा रहा है। 10 दिवसीय एक्सपो प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक आम जनमानस के लिए खुला रहेगा। श्री राठौर ने एक्सपो के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका लक्ष्य प्रदेश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत कृषकों, उत्पादकों एवं शिल्पकारों को शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सीधे जोड़ते हुए सशक्त बाजार संपर्क स्थापित करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा, कौशल एवं उत्पादों के प्रदर्शन हेतु राज्य स्तर पर एक प्रतिष्ठित मंच उपलब्ध कराना है। प्रदेश की सहकारी संस्थाओं को अपने उत्पादों, सेवाओं, उपलब्धियों एवं नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक साझा मंच प्राप्त होगा, जिससे संस्थाओं के बीच आपसी संवाद, समन्वय और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। यह आयोजन ग्रामीण उद्यमिता, स्वरोजगार और आय संवर्धन के नए अवसर सृजित करने के साथ प्रदेश के हस्तशिल्प, हथकरघा, पारंपरिक उत्पादों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक कलाओं को प्रोत्साहन देते हुए विशिष्ट पहचान दिलाने तथा कृषकों व सहकारी संस्थाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि यू. पी. कोऑपरेटिव एक्सपो–2026 में इफको और नैफेड सहित खाद्य प्रसंस्करण, खादी एवं ग्रामोद्योग, मत्स्य पालन, माटीकला, डेयरी तथा उर्वरक आदि क्षेत्रों से जुड़ी प्रदेश की विभिन्न सहकारी संस्थाएं और संगठन व्यापक रूप से सहभागिता करेंगे। इस मंच पर किसानों, दुग्ध उत्पादकों, मत्स्य पालकों, कारीगरों, महिला समूहों, लघु उद्यमियों एवं अन्य सहकारी हितधारकों को अपनी क्षमता और उत्कृष्ट उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। एक्सपो के प्रमुख आकर्षणों में श्एक जनपद–एक उत्पादश तथा श्एक जनपद–एक व्यंजनश जैसी पहलों से जुड़े स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी शामिल है, जिससे उत्पादों की गुणवत्ता, ब्रांडिंग और विपणन को नई गति मिलेगी। इसके अतिरिक्त एक्सपो में श्सहकारी साहित्यश का भी विशेष आकर्षण रहेगा, जिसके अंतर्गत सहकारी संस्थाओं, आंदोलनों और सरकारी योजनाओं से संबंधित लेख एवं पत्रिकाएं उपलब्ध रहेंगी।

मिलन हो केवल सपना

(छप्पय)

खड़ी रार–दीवार मिलन हो केवल सपना।
मात्र एक मुस्कान बना लेती है अपना।
हरि विचार में लिप्त तिमिर में भर उजियारा।
पकड़ तबस्सुम हाथ क्रोध से करे किनारा।
सभी राज को खोल कर अंतस में भर दीन को
बातचीत को कर सहज जिंदा करें यक़ीन को।।

वह प्यारी मुस्कान हमेशा सबको भाती।
बचपन की जो याद अधर पर लेकर आती।
निश्छल मन की बात प्रेम की भाषा बोले।
हर उलझन की पर्त सदा मुस्काकर खोले।
शिशुपन–सा अंदाज ही आपस के व्यवहार में।
उत्तर बनकर प्रश्न का रँगते नूतन रंग में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

काव्योत्सव मंच पर पहुंचे कवियों ने खूब गुदगुदाया

करछना। क्षेत्र के देवरी कलां में आयोजित तिलकोत्सव समारोह के दौरान मंच पर पहुंचे कवियों ने अपनी हास्य–व्यंग्य रचनाओं से सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए श्रोताओं को जी भर गुदगुदाया। संचालन के दौरान चर्चित कवि अशोक सिंह बेशरम ने श्दरोगा भउजीश की रचना प्रस्तुत करते हुए लोगों को लोटपोट कर दिया। उन्होंने अपने अनूठे अंदाज में



हास्य–व्यंग्य पूर्ण कई छन्दों एवं मुक्तकों के माध्यम से वर्तमान वैवाहिक परंपरा पर भी सधे अंदाज में कटाक्ष करते हुए खूब वाहवाही लूटी। डॉ.संतोष शुक्ल समर्थ ने अपनी रचनाओं में बेटियों का मान रखने और अपने अतीत की विरासत को सहेजने की बात कही तो वहीं बिहारी लाल अंबर ने अपने की जुमलों और हास्य पैरोड़ियों पर खूब तालियां बटोरी। युवा ओज कवि अभिजीत मिश्र ने राष्ट्रीय शौर्य और शहीदों को समर्पित रचनाओं से लोगों को भाव विभोर किया। बबलू सिंह बहियारी ने ओज का अद्भुत तेवर दिखाते हुए अपनी कविता में मातृभूमि की वंदना की। गुलशन बहराइची की गजलें भी खूब सराही गईं। आयोजक रामबाबू मिश्र और संयोजक ननकऊ मिश्रा ने सभी कवियों का माल्यार्पण करते हुए शाल प्रदान कर सारस्वत सम्मान किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।

सेंट जोसेफ कॉलेज के वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

कॉलेज द्वारा विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

अरविंद पांडेय ,प्रयागराज। सेंट जोसेफ कॉलेज में शुक्रवार को 142वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता और पीटी प्रदर्शन जूनियर बालक वर्ग (कक्षा एक से पांच) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष आलोक जोशी मुख्य अतिथि रहे। 100 मीटर दौड़ (वर्ग एफ) में सतेंद्र सिंह ने 15.91 सेकंड का नया कीर्तिमान बनाया। 200 मीटर दौड़ (वर्ग



ई) में वैभव प्रताप ने 34 सेकंड के साथ नया रिकॉर्ड दर्ज किया। 4 गुणा 100 मीटर रिले दौड़ (वर्ग डी) में गोल्ड हाउस ने 1रू06.52 मिनट का कीर्तिमान स्थापित किया।

100 मीटर दौड़ वर्ग डी में कार्तिके यादव और वर्ग ई में अद्विक सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ वर्ग एफ में सतेंद्र सिंह ने एक बार फिर जीत हासिल की। कक्षा एक की दौड़ में नमन प्रताप यदु व कक्षा दो की दौड़ में अमिश तिवारी विजेता बने। 100 मीटर दौड़ वर्ग डी में अलत्तमस कबीर पहले व रुद्रांश प्रताप सिंह दूसरे स्थान पर रहे। वर्ग ई में अफान अहमद, मोहम्मद अर्श हसन व मीर अहमद ने क्रमशः पहले, दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ वर्ग ई में आरुष दत्ता प्रथम व आर्यन सिंह द्वितीय स्थान पर रहे। 4 गुणा 100 मीटर रिले दौड़ वर्ग ई में ब्लू हाउस ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में गोल्ड हाउस दूसरे व रेड हाउस तीसरे स्थान पर रहा।

जूनियर विद्यालय कप्तान सुयश श्रीवास्तव के नेतृत्व में चारों हाउस ने मार्च–पास्ट करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। जोशी ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की। विजेताओं को विभिन्न चरणों में पुरस्कृत किया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि रेव फादर जैकब बोना डिसूजा, शिव कुमार राय, रेव फादर लॉरेंस फर्नान्डिस के अलावा प्रधानाचार्य रेव फादर वाल्टर डी सिल्वा, हेडमास्टर रेव फादर ज्ञान प्रकाश व समन्वयक ज्योति दुबे मौजूद रहे।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूती, 8,922 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण पूरा

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक सुदृढ़,पारदर्शी और जनसुविधा केंद्रित बनाने की दिशा में काम कर रही है। प्रदेश में उचित दर की दुकानों को आधुनिक और सुव्यवस्थित स्वरूप देने के उद्देश्य से शुरू की गई अन्नपूर्णा भवन योजना ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। खाद्य एवं रसद विभाग की समीक्षा बैठक के लिए तैयार आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अब तक 8,922 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 2,377 भवन निर्माणाधीन हैं।

सम्पादकीय.....

अपने घर में डर

यह एक वैश्विक आंकड़ा है कि दुनिया में हर एक घंटे में पांच महिलाओं या लड़कियों की हत्या उनके जीवन साथी या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा कर दी जाती है। वर्ष 2025 की यूएन वूमेन– यूएनओडीसी रिपोर्ट का यह चौंकाने वाला खुलासा, हमारा सामना एक कठोर यथार्थ से कराता है। यह सत्य कि दुनिया में लाखों महिलाओं की जान के लिये सबसे बड़ा खतरा अनजान लोगों से नहीं, बल्कि उन लोगों से है, जिनके साथ वे पारिवारिक संस्था के भीतर रहती हैं। जिन पर अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा करती हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि बीते वर्ष दुनिया भर में इरादतन मारी गई करीब 78 हजार महिलाओं व लड़कियों में से 47 हजार की हत्या उनके पार्टनर या रिश्तेदारों ने की। यह दुखद ही है कि जो घर महिलाओं के लिये सबसे ज्यादा सुरक्षित स्थान माना जाता है, वही आज उसके लिये खतरनाक जगह बन रही है। हालांकि, भारत में ऐसी भयावह स्थिति नहीं है,लेकिन आंकड़े कुछ चिंताजनक संकेत जरूर दे रहे हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे–5 के अनुसार देश में 18 से 49 आयुवर्ग वाली 29 फीसदी विवाहित महिलाओं ने अपने पति द्वारा की जाने वाली हिंसा का त्रास झेला। वहीं यूएन वुमेन के आंकड़े बताते हैं कि शारीरिक या यौन हिंसा की शिकार महिलाओं में सिर्फ 14 फीसदी ने ही मदद की गुहार लगायी। उससे ज्यादा चिंताजनक यह कि इसमें सिर्फ 5.6 फीसदी महिलाओं ने ही मदद हेतु पुलिस से संपर्क किया। दरअसल, परंपरागत भारतीय घरों में महिलाओं की प्राथमिकता परिवार बचाना होती है। सामाजिक बदनामी, आर्थिक असुरक्षा, बदले की कार्रवाई का डर और शादी को टूटने से बचाने के भय के चलते महिलाएं चुप रहने को बाध्य हो जाती हैं। इसके बावजूद हिंसा की रिपोर्ट न करने के पीछे की हिचकिचाहट को हिंसा न होने का संकेत नहीं मान लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं है कि घरेलू हिंसा रोकने, पति और रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता और दहेज से जुड़े दुर्व्यवहार पर लगाम के लिये देश में पर्याप्त कानून हैं। लेकिन जब तक इन कानूनों को सख्ती से लागू नहीं किया जाता, तब तक ये कानून महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते। इस तरह के मामलों में मायके वालों से भी संवेदनशील और सतर्क व्यवहार अपेक्षित है। वास्तव में पुलिस को बार–बार मिलने वाली शिकायतों व धमकियों और दबाव डालने वाले व्यवहार को केवल सामान्य पारिवारिक झगड़े के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सही मायने में इसे गंभीर चेतावनी संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रोटेक्शन ऑर्डर को कायदे से लागू किया जाना जरूरी है। इसके अलावा परिवार की संस्था के भीतर सुरक्षित महसूस न करने वाली महिलाओं के लिये वैकल्पिक आश्रय स्थल की भी व्यवस्था होनी चाहिए। उनके लिये सहजता से कानूनी मदद का प्रावधान होना आवश्यक है। किसी मानसिक आघात से उबरने के लिये काउंसलिंग और तात्कालिक आर्थिक सहायता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिससे वे बिना किसी आर्थिक तंगी के या बेसहारा हुए, हिंसक रिश्तों से बाहर निकल सकें। यानी सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। वास्तव में प्राथमिकता होनी चाहिए कि किसी महिला के जीवन का अंत न हो। वहीं परिवारों, समुदायों और संस्थाओं को हिंसा को सामान्य बात मानना बंद करना होगा। दूसरी ओर महिलाओं पर चुप रहने के लिये दबाव डालना भी बंद करना होगा। निस्संदेह, पुलिस, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सहायता प्रदान करने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से किसी भी महिला के जीवन पर आसन्न संकट को जानलेवा बनने से पहले ही पहचाना जा सकता है। सही मायने में किसी भी महिला का सुरक्षा अधिकार इस बात का मोहताज नहीं होना चाहिए कि उसके पास किसी हिंसक घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं है। या फिर अलग जीवन जीने के लिये आर्थिक संसाधन नहीं हैं। पुलिस व कानून–कचहरी से इतर मां–बाप को बेटियों को शारीरिक व मानसिक रूप से इतना सशक्त जरूर बनाना चाहिए कि वे घर के भीतर किसी भी अन्याय, शोषण और हिंसा का प्रतिकार कर सकें। यदि ऐसा साहस न जुटा पाएं तो कम से कम परिजनों को समय रहते अनुचित या हिंसक व्यवहार से अवगत करा सकें।

संविधान दिवस पर दिमागी नक्सल का जिक्र

26 जनवरी गणतंत्र दिवस से पहले देश में अब 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। 2015 से इसकी शुरुआत नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के अपने पहले कार्यकाल में की थी। तब बाबा साहेब अंबेडकर की 125वीं जयंती थी। वैसे तो देश में एक नहीं हर दिन संविधान दिवस रहना चाहिए, क्योंकि संविधान है तभी भारत और उसका लोकतंत्र बचा हुआ है। बाबा साहेब अंबेडकर समेत संविधान सभा के अन्य सभी सदस्यों ने बहुत सोच–विचार कर संविधान का मसौदा तैयार किया है। भारत की धार्मिक, भाषायी, जातीय, सांस्कृतिक और भौगोलिक विविधता के चलते संविधान निर्माताओं के सामने यह बड़ी चुनौती थी कि आजाद देश के हर नागरिक को बराबरी और सम्मान का अहसास रहे। आर्थिक खाई तो खैर तब भी थी और अब कहीं ज्यादा हो चुकी है, लेकिन यह बड़ी नेमत है कि संवैधानिक अधिकार आर्थिक भेदभाव से परे जाकर सब को एक जैसे हासिल हैं। इसका पूरा श्रेय संविधान बनाने वालों को जाता है। तो उन्हें याद करने और सम्मानित करने के लिए एक नहीं, हर दिन संविधान दिवस मनाया जाए, तो हर्ज नहीं है। लेकिन भाजपा के लिए यह मुद्दा नागरिक अधिकारों और संविधान की रक्षा से कहीं ज्यादा राजनैतिक है। जिस तरह से उसके पितृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने संविधान की लगातार अवहेलना की, उसके प्रावधानों पर सवाल उठाए, उसके बाद सत्ता में आई भाजपा के लिए यह जरूरी था कि वह दिखावे के लिए ही सही, मगर संविधान का सम्मान करे। 2015 में भाजपा को लगा होगा कि 125वीं अंबेडकर जयंती इसके लिए सही मौका है। वैसे भी तब तक अमित शाह को भी कहां पता था कि वे संसद में कहेंगे कि अंबेडकर, अंबेडकर कहना फैशन बन गया है। खैर, अगर यह फैशन है, तो अच्छा ही है। कम से कम अंबेडकर का नाम लेकर ही संविधान को याद करने का सिलसिला जारी रहेगा। बहरहाल, 2015 से संविधान दिवस मनाने की शुरुआत भाजपा ने की, उससे पहले 26 नवंबर का यह दिन राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। कानून का पालन भी संविधान का सम्मान करना ही है। वैसे मोदी सरकार ने संविधान दिवस का उद्देश्य नागरिकों के बीच संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और संविधान निर्माण में डॉ. आंबेडकर व संविधान सभा के योगदान का सम्मान करना बताया था। भाजपा को यह खुशफहमी थी कि इस तरह वह कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों पर संविधान के नाम पर बढ़त पा लेगी। लेकिन 2024 आते–आते उसकी यह खुशफहमी टूट गई। क्योंकि उन आम चुनावों में इंडिया गठबंधन ने जनता को यकीन दिला दिया कि अगर भाजपा की सरकार फिर से आती है तो संविधान बदल दिया जाएगा। यह महज आरोप नहीं थे, कई भाजपा सांसदों और नेताओं ने इस आशय के बयान दिए थे कि हमें 4 सौ सीटें चाहिए ताकि संविधान बदला जा सके। भारत की आम जनता ने इस खतरे को भांप लिया और भाजपा को 240 पर ही रोक लिया। अगर नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू जैसे सत्तालोभी नेता भाजपा का साथ न देते तो नरेन्द्र मोदी के लिए तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना संभव नहीं था। बहरहाल, अब मोदी बतौर प्रधानमंत्री संविधान दिवस पर सकारात्मक बातों की जगह फिर से नकारात्मक राजनीति पर ही उतर आए हैं। 26 नवंबर को देश के कई अखबारों में उनका लेख प्रकाशित हुआ है। जिसमें उन्होंने बताया है कि संविधान के कारण ही एक साधारण परिवार के व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला। निश्चित ही मोदी अपनी बात कर रहे होंगे, क्योंकि आज तक वे अपने चाय बेचने और परिवार की गरीबी का जिक्र करते ही हैं। ये और बात है कि मोदी को प्रधानमंत्री बनने का मौका देश के धनाढ्य उद्योगपतियों के कारण मिला और उससे पहले वे तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री बन चुके थे। तो साधारण होने की बात यहां बेमानी है। हालांकि यही पैमाना रहे तो लाल बहादुर शास्त्री, चौधरी चरण सिंह, डा. मनमोहन सिंह सब साधारण परिवारों के ही लोग थे। खैर, अपने लेख में मोदी ने जी भर के अपनी सरकार की तारीफ की और हर वाक्य में संविधान लिखकर यह जता दिया कि बात वे संविधान की ही कर रहे हैं। मोदी ने लिखा कि देश में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं, तो फिर उन्हें यह भी बता देना चाहिए था कि जो 80 करोड़ लोग अब भी पांच किलो मुफ्त राशन के लिए लाइन में खड़े होते हैं, उनकी गरीबी कब दूर होगी। इस लेख में मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और इसके लिए वे पहली सरकार तक भी पहुंच गए।

उन्होंने लिखा कि इस वर्ष, 1951 में हुए पहले संविधान संशोधन के 75 साल पूरे हो चुके हैं। उस समय देश में एक ऐसी सरकार थी, जिसे जनता ने चुनकर नहीं भेजा था। उस सरकार ने अंतरिम संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल करके नागरिकों की मौलिक आजादी छीन ली थी। यह संशोधन देश के पहले आम चुनाव से कुछ ही महीने पहले किया गया था। इससे साफ है कि इसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करना और लोगों के विरोध की आवाज को दबाना था। विपक्ष मोदी सरकार पर वोट चोरी का जो इल्जाम लगा रहा है, उसके बदले मोदी शायद यही जवाब दे सकें हैं। हालांकि इससे एसआईआर और चुनाव चोरी के खिलाफ छिड़ी मुहिम शांत नहीं होगी। कांग्रेस, आईसा, कॉकरोच जनता पार्टी समेत कई दलों ने संविधान दिवस पर वोट चोरी के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है। विपक्ष को घेरने के लिए मोदी ने अपने लेख में दिमागी नक्सल शब्द का भी जिक्र किया। इससे पहले स्वतंत्रता दिवस, एसआरसीसी के शताब्दी समारोह और दीपावली के मौके पर बस्तर में सीआरपीएफ के जवानों को दिए भाषण में मोदी दिमागी नक्सल शब्द का जिक्र कर चुके हैं। इससे जाहिर होता है कि इस शब्द ने उन्हें बुरी तरह उलझा दिया है। मोदी ने लेख में नक्सलवाद के खिलाफ अपनी सरकार की कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि अब देश में केवल शदिमागी नक्सलीय बचे हैं जो भारत की विकास यात्रा को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे हैं। इस लेख में पीएम मोदी ने विपक्ष पर संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी करने और राजनीतिक फायदे के लिए संविधान का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। उनके लेख में महिला आरक्षण से लेकर आरक्षण की राजनीति और अनुच्छेद 370 तक कई मुद्दों का जिक्र है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी विरोधी दल की भूमिका निभाने के बजाय बाधा डालने वाली पार्टी बन गई है।

कैसे पढें आत्मकथा?

डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल

दूसरों के जीवन में झांकना मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है और आत्मकथा हमें यह मौका देती है। यदि आत्मकथा किसी ऐसे व्यक्ति की हो जिसका सार्वजनिक जीवन, राजनीति और सत्ता के गलियारों से जुड़ा रहा हो तो यह उत्सुकता कई गुना बढ़ जाती है। पाठक केवल उसके जीवन की कहानी नहीं जानना चाहते, वे उन घटनाओं के भीतर झांकना चाहते हैं जिनके वे स्वयं भी किसी–न–किसी रूप में साक्षी रहे हैं। सोनिया गांधी की सद्य–प्रकाशित आत्मकथा शबिलॉन्गिंग रू ए जर्नी ऑफ लॅवश को लेकर भी कुछ ऐसा ही माहौल है। सार्वजनिक जीवन में सोनिया गांधी की सुदीर्घ और प्रभावशाली उपस्थिति ने उनकी आत्मकथा में हमारी दिलचस्पी बहुत बढ़ा दी है और उसके बाजार में आते ही चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो गया है। लगता है जैसे पूरा भारतीय समाज दो खेमों में बंट गया है, लेकिन इस पूरे प्रसंग को केवल सोनिया गांधी के राजनीतिक समर्थन या विरोध के चश्मे से देखना शायद उचित नहीं होगा। यह अवसर आत्मकथा नाम की एक महत्वपूर्ण साहित्यिक विधा और उसे पढ़ने के हमारे तौर–तरीकों पर विचार करने का भी है। आत्मकथा आखिर है क्या? क्या वह अपने जीवन का सिलसिलेवार ब्यौरा है? क्या वह घटनाओं, व्यक्तियों और तारीखों का ऐसा विवरण है जिसे इतिहास की किताब की तरह परखा जा सके? या वह अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखने, समझने और उसका अर्थ तलाशने की एक कोशिश है? वस्तुतः आत्मकथा इन सबका मिला–जुला रूप हो सकती है, लेकिन सबसे पहले वह लेखक का अपने जीवन के साथ संवाद है। इसमें घटनाएं जितनी महत्वपूर्ण हैं, उतना ही महत्वपूर्ण है उन घटनाओं को देखने वाला व्यक्ति, उसकी स्मृतियां, उसकी संवेदनाएं और उसका दृष्टिकोण। इस विधा की खूबी यह है कि इसमें व्यक्ति अपने समय, परिवेश, संबंधों, सफलताओं और असफलताओं को अपने ढंग से देखताध्देखती है। वह चाहे तो अपनी कमजोरियों को स्वीकार करे, अपनी भूलों पर पछताए, अपनी उपलब्धियों का बखान करे या कुछ अनुभवों को निजी रखे। आत्मकथा का कोई एक अनिवार्य ढांचा नहीं है। न ही यह आवश्यक है कि हर आत्मकथाकार अपने जीवन के प्रत्येक प्रसंग पर समान विस्तार से बात करे। दुनिया की अनेक प्रसिद्ध आत्मकथाएं इस विविधता की साक्षी हैं। महात्मा गांधी की सत्य के प्रयोग में उनकी नैतिक और आध्यात्मिक यात्रा के साथ कमजोरियों, भूलों और प्रयोगों का भी उल्लेख है। इसका महत्व इस बात में है कि गांधी स्वयं को किस निर्ममता से परखने का प्रयास करते थे। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा मेरी कहानी में एक व्यक्ति के बौद्धिक विकास के साथ अपने समय की राजनीति और राष्ट्रीय आंदोलन का व्यापक परिदृश्य उपस्थित होता है। हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा–श्रृंखला–क्या भूलूं क्या याद करूं, नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर और दशद्वार से सोपान तक निजी जीवन, परिवार, प्रेम और साहित्य के अनेक रंग सामने लाती है। अमृता प्रीतम की रसीदी टिकट एक स्त्री के निजी अनुभवों और संवेदनाओं की बेबाक अभिव्यक्ति है। इसी क्रम में प्रभा खेतान की अन्या से अनन्या और मन्नू भंडारी की एक कहानी यह भी को याद किया जा सकता है। इन्हीं के साथ याद की जा सकती हैं दलित आत्मकथाएं भी, जिनमें ओमप्रकाश वाल्मीकि की जूठन प्रमुख है। विदेशी आत्मकथाओं में रूसो की कन्फैशन्स का उल्लेख जरूरी है, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तित्व के उन पक्षों को भी सामने रखा जिन्हें छिपाना अधिक सुविधाजनक हो सकता था। बेंजामिन फ्रैंकलिन की आत्मकथा आत्म–निर्माण, श्रम और सार्वजनिक जीवन की कहानी है। नेल्सन मंडेला की लांग वाक टू फ्रीडम में एक व्यक्ति का संघर्ष, दक्षिण अफ्रीका की मुक्ति और नस्लभेद के विरुद्ध आंदोलन की कथा से जुड़ जाता है। माया एंजेलो की आई नो व्हाई द केज्ड बर्ड सिंग्स निजी अनुभवों के माध्यम से नस्लीय भेदभाव, स्त्री होने की चुनौतियों और आत्मसम्मान की लड़ाई का चित्र उभारती है। इस संदर्भ में अपने समाज की ओर देखें तो एक विचित्र स्थिति दिखाई देती है। हम दूसरों के जीवन में गहरी दिलचस्पी लेते हैं, लेकिन अपने बारे में कुछ कहने की बात आती है तो सहज नहीं रह जाते। अपनी कमजोरियों, असफलताओं, ईर्ष्याओं, महत्वाकांक्षाओं, गलत निर्णयों और निजी संबंधों के अंतर्विरोधों को सार्वजनिक करना हमें कठिन लगता है। इसके पीछे हमारे सामाजिक संस्कार भी हैं। हमारे यहां व्यक्ति की प्रतिष्ठा अक्सर परिवार और समुदाय की प्रतिष्ठा से जुड़ी होती है। अपने बारे में कुछ ऐसा कह देना जो परिवार की स्थापित छवि के अनुकूल न हो, पूरे परिवार को असहज कर सकता है। अपनी गलती स्वीकार करना भी सहज मानवीय व्यवहार के बजाय कमजोरी समझ लिया जाता है। ऐसे में संभव है, लेखक कुछ प्रसंगों को जानबूझ कर छोड़ दे या उन्हें इस तरह प्रस्तुत करे कि उसकी अपनी छवि पर आंच न आए, लेकिन क्या इससे उसकी आत्मकथा को पढ़ने और समझने की हमारी जिज्ञासा और जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है? क्या किसी आत्मकथा में आत्मरक्षा या आत्म–औचित्य की प्रवृत्ति दिखाई देने पर उसे एक झटके में खारिज कर देना चाहिए? संभव है, यह भी लेखक के व्यक्तित्व और उसकी आत्मदृष्टि को समझने का एक सूत्र हो। यहां आत्मकथा और इतिहास के बीच का अंतर समझना जरूरी है। आत्मकथा इतिहास की पुस्तक नहीं है, हालांकि इतिहास के अध्ययन के लिए वह महत्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध करा सकती है। इतिहासकार अनेक स्रोतों, दस्तावेजों और परस्पर विरोधी विवरणों की जांच करता है। आत्मकथाकार अपने अनुभवों और स्मृतियों के सहारे अतीत को देखता है। स्मृति कोई कैमरा नहीं है जो हर घटना को उसी रूप में सुरक्षित रखे। कैमरे का भी कोई–न–कोई एंगल होता है। समय के साथ कुछ घटनाएं धुंधली पड़ती हैं।

, कुछ अधिक स्पष्ट हो जाती हैं और कुछ का अर्थ बदल जाता है। यहीं से आत्मकथा को पढ़ने का सलीका सामने आता है। हमें यह देखने की कोशिश करनी चाहिए कि लेखक ने क्या लिखा है, न कि इस बात पर नाराज होना चाहिए कि उसने क्या नहीं लिखा। उसने किसी घटना को किस तरह देखा, किन प्रसंगों को महत्व दिया, किन्हें छोड़ दिया और अपने जीवन के बारे में क्या निष्कर्ष निकाला, इन सब पर विचार किया जा सकता है। उसकी स्थापनाओं से असहमति भी हो सकती है, लेकिन यह सोचना कि वह अपनी आत्मकथा में वही सब लिखेगा जिसकी हम उम्मीद करते हैं, उसके साथ अन्याय होगा। हर व्यक्ति को अपने जीवन की निजता और अपने अनुभवों के चयन का अधिकार है। कोई व्यक्ति अपने जीवन के सभी प्रसंग सार्वजनिक करने के लिए बाध्य नहीं है। किसी आत्मकथा में किसी प्रसंग का उल्लेख न होना उस प्रसंग के बारे में किसी निष्कर्ष का आधार नहीं बन सकता। लेखक की चुप्पी को स्वीकारोक्ति मान लेना भी उतना ही अनुचित है जितना उसकी हर बात को अंतिम सच मान लेना। इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आत्मकथाकार को तथ्यात्मक शुद्धता की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया जाए। सोनिया गांधी की आत्मकथा के संदर्भ में भी यही कसौटी अपनाई जानी चाहिए। उनकी कही हुई बातों की जांच हो, उनके निष्कर्षों से असहमति हो तो तर्क सामने आएं। किसी घटना के उनके विवरण को दूसरे उपलब्ध प्रमाणों के साथ रखकर परखा जाए, लेकिन यह अपेक्षा कि वे अपनी आत्मकथा में उन सभी प्रश्नों के उत्तर दें जो उनके राजनीतिक विरोधियों के मन में हैं, या उन सभी प्रसंगों पर अपनी बात रखें जिन्हें पाठक महत्वपूर्ण मानते हैं, उचित नहीं होगा। यह उनका जीवन है, उनका अनुभव है और उसे प्रस्तुत करने का उनका अपना तरीका है। इस बात को समझा जाना चाहिए कि आत्मकथा केवल किसी और की जिंदगी में झांकने का सुराख नहीं होती है। वह हमें भी आत्मावलोकन का अवसर सुलभ कराती है।

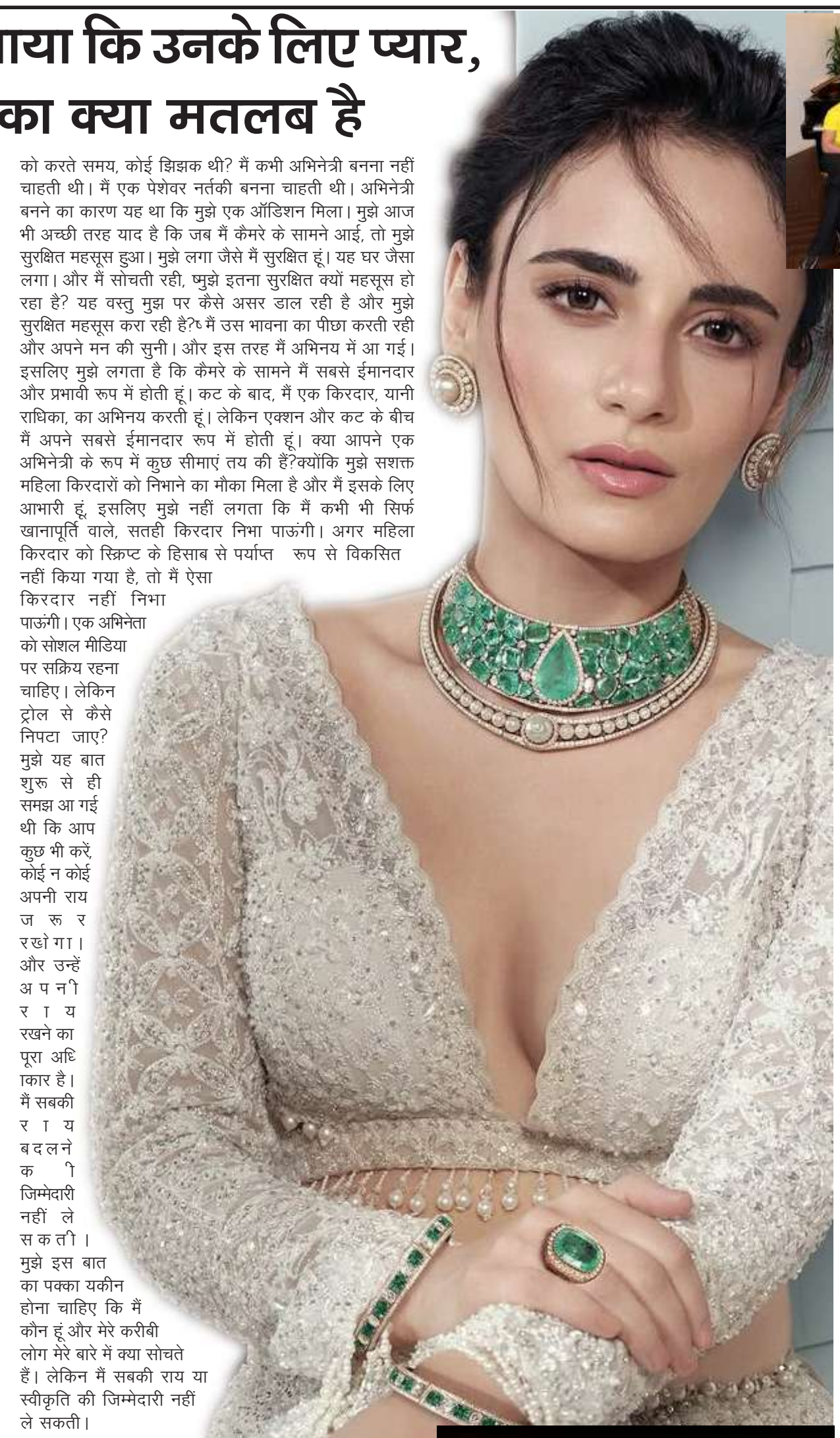
केरल पुलिस में महिलाओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत करने का फैसला ऐतिहासिक

पी. श्रीकुमारन

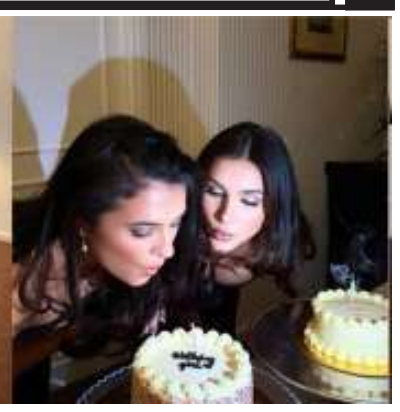
केरल सरकार ने राज्य के पुलिस बल में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने का एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। इस फैसले की घोषणा करते हुए– जिसका अन्य राज्यों को भी अनुसरण करना चाहिए– गृह मंत्री रमेश चेन्नीथला ने कहा कि महिला अधिकारी अपराध का पता लगाने, समर्पण और कड़ी मेहनत जैसे सभी क्षेत्रों में अपने पुरुष समकक्षों के बराबर काम कर रही हैं। वर्तमान में, राज्य भर के 63 पुलिस थानों में महिला अधिकारी स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) (थानेदार) के रूप में काम कर रही हैं। मंत्री त्रिशूर स्थित केरल पुलिस अकादमी में सब–इंस्पेक्टरों के 32–बी बैच की पासिंग–आउट परेड को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि जनता ही वह सर्वोच्च सत्ता है, जिसके प्रति पुलिस जवाबदेह है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस थानों को नागरिकों के लिए सुलभ और स्वागत योग्य जगह बनाया जाना चाहिए। राज्य सरकार की श्माई पुलिस स्टेशनश (मेरा पुलिस थाना) पहल का उद्देश्य यही हासिल करना है। चेन्नीथला ने कहा कि पुलिस थाने में शिकायत या समस्या लेकर आने वाले हर व्यक्ति के साथ सम्मान से पेश आना चाहिए और उन्हें यह भरोसा दिलाना चाहिए कि उन्हें न्याय मिलेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और लोगों को मिले अधिकारों की रक्षा करना पुलिस की संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि सब–इंस्पेक्टरों को थानेदार के रूप में काम करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपना, उनकी क्षमताओं पर सरकार के भरोसे को दर्शाता है। चेन्नीथला ने केरल पुलिस बल की जमकर तारीफ की, जो अपराध की जांच करने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के मामले में देश के लिए एक मिसाल बन गया है। अक्सर आलोचनाओं का सामना करने के बावजूद, पिछले छह महीनों में इस बल को काफी सराहना भी मिली है। केरल पुलिस को साइबर अपराधों सहित नई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया गया है। चेन्नीथला ने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारियां केवल अपराधों की जांच तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्हें सामाजिक जागरूकता अभियानों में भी आगे आना चाहिए और समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मंत्री ने बताया कि ऑपरेशन तूफान अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है, जिसमें नए अधिकारियों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि उन्हें ड्रग माफिया के खिलाफ लड़ाई तेज करनी चाहिए और युवा पीढ़ी को नशीले पदार्थों की लत से बचाने के लिए पहल करनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने वालों के खिलाफ बिना किसी रियायत या भेदभाव के सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संदर्भ में, उन्होंने तिरुवनंतपुरम की एक घटना का जिक्र किया, जहां वाहनों की जांच के दौरान एक वैन से पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश की गई थी। श्ऑपरेशन तूफानश के तहत अब तक 200 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं और 16,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस द्वारा उठाए जा रहे कड़े कदमों में आरोपियों के खिलाफ केरल असामाजिक गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (कापा) लागू करना और बिना किसी राजनीतिक या धार्मिक दबाव या सिफारिशों की परवाह किए उनकी संपत्ति जब्त करना शामिल है। उन्होंने इस बात पर गहरी चिंता जताई कि ड्रग गिरोह अब स्कूली छात्रों को अपना निशाना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान को माताओं और आम जनता का काफी समर्थन मिला है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि स्थानीय स्वशासन निकायों की सक्रिय भागीदारी के साथ ऑपरेशन तूफान के दूसरे चरण का विस्तार किया जाएगा। केरल एक और नई मिसाल कायम करने जा रहा है। 27 नवंबर को वायनाड जिला देश का पहला ऐसा जिला बन जाएगा जिसे आधिकारिक तौर पर ई–कचरा मुक्त घोषित किया जाएगा। मुख्यमंत्री वी.डी. सतीसन उस दिन कलपेट्टा में आयोजित एक कार्यक्रम में इसकी घोषणा करेंगे। इस कार्यक्रम में ई–कचरा संग्रह अभियान में शामिल स्थानीय नेताओं और हरिता कर्म सेना के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा साथ ही, इस अभियान में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले स्थानीय निकायों और सरकारी कार्यालयों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर वायनाड को प्लास्टिक मुक्त जिला बनाने की कार्ययोजना (ब्लूप्रिंट) भी जारी की जाएगी। शुचित्वा मिशन के जिला कार्यक्रम अधिकारी के. अनूप के अनुसार, हालांकि कुछ आदर्श गांवों ने ई–कचरा मुक्त होने का दर्जा हासिल कर लिया है, लेकिन अभी तक किसी भी जिले को यह उपलब्धि नहीं मिली है। गौरतलब है कि मिशन और क्लीन केरल कंपनी ने लगातार प्रयासों से कुल 97.26 टन इलेक्ट्रॉनिक कचरा (ई–कचरा) इकक्रा किया है। जहां क्लीन केरल कंपनी ने सरकारी संस्थानों से ई–कचरा इकक्रा किया है, वहीं घरों से ई–कचरा इकक्रा करने की जिम्मेदारी हरिता कर्म सेना को सौंपी गई है। जिले के 26 स्थानीय निकायों से कुल 38.46 टन ई–कचरा इकक्रा किया गया, जबकि 58.8 टन ई–कचरा सरकारी कार्यालयों और स्कूलों से जुटाया गया। ई–कचरा मुक्त होने का दर्जा सबसे पहले पंचायत और नगरपालिका स्तरों पर, और फिर ब्लॉक स्तर पर लागू किया जाएगा, जिसके बाद इसे जिला स्तर तक बढ़ाया जाएगा। सबरीमाला जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए एक और खुशी की खबर देते हुए, मुख्यमंत्री ने पहाड़ी मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को आधुनिक और व्यापक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तिरुपति–मॉडल पर आधारित एक मेगा प्रोजेक्ट की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सबरीमाला तीर्थयात्री सुविधा केंद्र का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि– इस मंदिर को तीर्थ पर्यटन के हिस्से के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रस्तावित परियोजना से तीर्थयात्रियों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है।

राधिका मदान ने बताया कि उनके लिए प्यार, वासना और रिश्तों का क्या मतलब है

राधिका मदान ने श्लस्ट स्टोरीज 3श में शायद अपने अब तक के सबसे साहसिक किरदार में एक आधुनिक युवती का रोल निभाया, जो अपने टूटे हुए वैवाहिक जीवन की दरारों को केवल सेक्स के नजरिए से ही देख पाती थी। प्रेम का शारीरिक कृत्य उसके और उसके पति दोनों के लिए किंट्सुगी की तरह काम करता था, जो इच्छाओं के पिघलते लावा से दरारों को भर देता था। यह एक ऐसा रोल था जिसमें पूर्ण शारीरिक समर्पण की आवश्यकता थी, और उन्होंने इसे बखूबी निभाया। इस बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री कहती हैं कि उन्होंने हमेशा कैमरे को एक सुरक्षित जगह के रूप में देखा और इसलिए उनमें कोई झिझक नहीं थी। एक दिलचस्प बातचीत में, वह सिनेमा के माध्यम से खुद को खोजने के बारे में बात करती हैं। कुछ अंश... श्लस्ट स्टोरीज 3श में , सभी महिला किरदार नई पीढ़ी की उस महिला को दर्शाते हैं जो इच्छाओं को दबाने में विश्वास नहीं करती। बिल्कुल सही। और आपको अपनी इच्छाओं को बिल्कुल भी नहीं दबाना चाहिए। मुझे कोंकणा (सेन शर्मा) मैम की कहानी की एक पंक्ति बहुत पसंद है, जहाँ वह कहती हैं कि खुद को स्वीकार करने और खुद से प्यार करने में मुझे इतने साल लग गए। और अब मुझे इसे क्यों दबाना चाहिए? आप 40 साल की उम्र तक पहुँचते हैं और खुद को स्वीकार करते हैं। तो यह एक खूबसूरत पंक्ति है। हमें इस पहलू का जश्न मनाना चाहिए, हमें इस पहलू को अपनाना चाहिए और अगर कोई बात हमें परेशान कर रही है तो हमें खुलकर अपनी राय व्यक्त करनी चाहिए। स्क्रीन पर कामुकता का चित्रण करना कितना महत्वपूर्ण है? जब हम बड़े हो रहे थे, तब सेक्स शब्द से जुड़ी एक वर्जना और शर्म थी। इसका नाम सुनते ही लोग उठकर कमरे से बाहर चले जाते थे। इसलिए उस शब्द से डर लगता था क्योंकि ऐसा लगता था जैसे आपके चरित्र का आकलन किया जा रहा हो। जब मैं पच्चीस साल की हुई, तब मुझे एहसास हुआ कि यह आपके व्यक्तित्व का सबसे स्वाभाविक हिस्सा है। यह खुशी, महत्वाकांक्षा और उदासी जितना ही खूबसूरत है। यह आपका एक हिस्सा है और इसे मनाया जाना चाहिए। यह शर्म की बात नहीं है। निर्देशक शकुन बत्रा ने आपको श्लस्ट स्टोरीज 3श करने के लिए कैसे राजी किया ? मुझे पता था कि शकुन श्लस्ट स्टोरीज 3श बना रहे हैं और जब मैंने ऑडिशन की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मुझे कई सालों बाद लगा, ष्वाह, मैं इसे कैसे निभा पाऊँगी?ष बहुत कम ऑडिशन स्क्रिप्ट ऐसी आती हैं। आमतौर पर मैं ऑडिशन जल्दी दे देती हूँ। लेकिन यहाँ, हर लाइन के कई अर्थ और परतें थीं, इसलिए मुझे ऑडिशन देने में बहुत मजा आया। स्क्रिप्ट पढ़ते ही मुझे लगा, ष्वाह, मुझे लेखक और उनके लिखे हुए के साथ न्याय करना होगा।ष अली (फजल) एक शानदार अभिनेता हैं। उनके साथ काम करने में भी मुझे बहुत आनंद आया। बेहतरीन टीम और रचनात्मक रूप से संतोषजनक अनुभव। क्या आप बोल्ड सीन करने में सहज थीं? दरअसल, शूटिंग सेट पर इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर मौजूद होते हैं। इसलिए पहले से ही वर्कशॉप आयोजित की जाती हैं। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य आपको दूसरे व्यक्ति और टीम पर भरोसा दिलाना होता है। यह भरोसा शूटिंग से पहले ही विकसित हो जाता है। इसलिए जब आप शूटिंग के लिए जाते हैं, तो सब कुछ पहले से ही अच्छी तरह से कोरियोग्राफ किया हुआ होता है, जैसे कोई डांस सीक्वेंस। आपको पता होता है कि आपका हाथ कहाँ जाएगा, क्या होने वाला है और आप दूसरे व्यक्ति पर पूरी तरह से भरोसा करते हैं। इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर होने का एक और फायदा यह है कि अगर आपको सेट पर आने के बाद भी असहजता महसूस होती है, तो वे कोरियोग्राफी बदल देंगे। आप आखिरी समय तक मना कर सकते हैं और कोई भी आपको जज नहीं करेगा। इसलिए जो सहजता और भरोसा विकसित होता है, वह बहुत खूबसूरत होता है। इस भूमिका को निभाते हुए आपने एक अभिनेता के रूप में अपने बारे में क्या सीखा? मुझे यह प्रतिक्रिया मिली कि मैं सिर्फ काले और सफेद रंग में जीती हूँ। मैं अपने ग्रे शेड्स पर ध्यान नहीं देती, बल्कि अपने किरदार के ग्रे शेड्स पर ध्यान देती हूँ। मैं अपने जीवन में राधिका के ग्रे शेड्स पर ध्यान नहीं देती। मैं उन्हें स्वीकार नहीं करती, उन्हें जगह नहीं देती और उनका न्याय करती हूँ। खैर, मैं अपने जीवन के उस मोड़ पर थी जहाँ सैली के ग्रे शेड्स इतने प्रमुख थे कि कहीं न कहीं मुझे उनमें खुद को देखने का एहसास हुआ। मैंने इसके माध्यम से अपने भीतर के एक हिस्से को ठीक किया, जो दुर्लभ है। ऐसा नहीं होता कि यह आपके जीवन की चुनौतियों के साथ उसी समय मेल खाए। यह वह बात है जहाँ मैंने सीखा कि भ्रमित या अस्त–व्यस्त होना ठीक है, या चीजों को समझना और साथ ही साथ अपना सर्वश्रेष्ठ करना भी ठीक है। क्या आपको कैमरे के सामने, खासकर बोल्ड दृश्यों को करते समय, कोई झिझक थी? मैं कभी अभिनेत्री बनना नहीं चाहती थी। मैं एक पेशेवर नर्तकी बनना चाहती थी। अभिनेत्री बनने का कारण यह था कि मुझे एक ऑडिशन मिला। मुझे आज भी अच्छी तरह याद है कि जब मैं कैमरे के सामने आई, तो मुझे सुरक्षित महसूस हुआ। मुझे लगा जैसे मैं सुरक्षित हूं। यह घर जैसा लगा। और मैं सोचती रही, ष्मुझे इतना सुरक्षित क्यों महसूस हो रहा है? यह वस्तु मुझ पर कैसे असर डाल रही है और मुझे सुरक्षित महसूस करा रही है?ष मैं उस भावना का पीछा करती रही और अपने मन की सुनी। और इस तरह मैं अभिनय में आ गई। इसलिए मुझे लगता है कि कैमरे के सामने मैं सबसे ईमानदार और प्रभावी रूप में होती हूं। कट के बाद, मैं एक किरदार, यानी राधिका, का अभिनय करती हूं। लेकिन एक्शन और कट के बीच मैं अपने सबसे ईमानदार रूप में होती हूं। क्या आपने एक अभिनेत्री के रूप में कुछ सीमाएं तय की हैं?क्योंकि मुझे सशक्त महिला किरदारों को निभाने का मौका मिला है और मैं इसके लिए आभारी हूं, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं कभी भी सिर्फ खानापूर्ति वाले, सतही किरदार निभा पाऊंगी। अगर महिला किरदार को स्क्रिप्ट के हिसाब से पर्याप्त रूप से विकसित नहीं किया गया है, तो मैं ऐसा किरदार नहीं निभा पाऊंगी। एक अभिनेता को सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना चाहिए। लेकिन ट्रोल से कैसे निपटा जाए? मुझे यह बात शुरू से ही समझ आ गई थी कि आप कुछ भी करें, कोई न कोई अपनी राय जरूर रखेगा। और उन्हें अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है। मैं सबकी राय बदलने की जिम्मेदारी नहीं ले सकती। मुझे इस बात का पक्का यकीन होना चाहिए कि मैं कौन हूं और मेरे करीबी लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं। लेकिन मैं सबकी राय या स्वीकृति की जिम्मेदारी नहीं ले सकती।







ब्रेकअप के बाद करीब आए तारा–वीर ? एक कमेंट के बाद फिर से सुर्खियों में आया दोनों का रिश्ता

अभिनेता वीर पहाड़िया ने अभिनेत्री तारा सुतारिया के साथ अपने संबंधों को लेकर नई अटकलों को जन्म दे दिया है। उन्होंने ओरी द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किए गए तारा के जन्मदिन के वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है। इस वीडियो में तारा के हालिया जन्मदिन समारोह के कुछ पल दिखाई दे रहे हैं। ओरी ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें तारा की बर्थडे पार्टी की झलकियां हैं,जैसे कि अभिनेत्री का जश्न मनाना, केक काटना और दोस्तों के साथ पोज देना। इस पोस्ट का कैप्शन था, अमीर और मशहूर लोगों की जीवनशैली वीर, जो पहले तारा के साथ रिलेशनशिप में थे, उन्होंने ओरी की पोस्ट पर केक और सफेद दिल वाला इमोजी कमेंट किया। ओरी ने उनके इस कमेंट को पिन भी कर दिया। तारा ने भी ओरी की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी, खासकर बर्थडे वीडियो में इस्तेमाल किए गए गाने को लेकर। उन्होंने लिखा, यह गाना!!! मैं तो मर ही गई और इस गाने को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब कुछ महीने पहले ही ऐसी खबरें आई थीं कि तारा और वीर अलग हो गए हैं। बताया जाता है कि दोनों ने 2025 की शुरुआत में डेट करना शुरू किया था और उसी साल जुलाई के आसपास अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया था। शुरुआत में इस जोड़े ने अपने रिश्ते को निजी रखा था, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी बातचीत से उनका रोमांस धीरे–धीरे सबके सामने आने लगा।नवंबर 2025 में, वीर ने मालदीव में तारा का 30वां जन्मदिन भी मनाया था। उन्होंने तारा के साथ अपनी कुछ खास तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन लिखा, हैप्पी बर्थडे, मेरी जान। जनवरी 2026 में उनके अलग होने की खबरें सामने आईं, हालांकि तारा या वीर में से किसी ने भी आधिकारिक तौर पर उनके ब्रेकअप का कारण नहीं बताया। दिसंबर 2025 में मुंबई में हुए एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा के पहुंचने के बाद भी उनका रिश्ता चर्चा में आ गया था। तारा मंच पर गायक के साथ शामिल हुईं और उनके साथ कुछ अच्छे पल बिताए। इसके बाद ऑनलाइन कुछ एडिट किए गए क्लिप्स वायरल हो गए, जिन्हें देखकर सोशल मीडिया यूजर्स यह कयास लगाने लगे कि दर्शकों के बीच मौजूद वीर का इस पर क्या रिएक्शन रहा होगा। तारा ने इन अटकलों को खारिज कर दिया और इन्हें झूठी बातें और पेड पीआर बताया। वहीं, वीर ने भी स्पष्ट किया कि उनके रिएक्शन का जो फुटेज वायरल हुआ था, उसे इस तरह एडिट किया गया था जिससे गलत मतलब निकले। बाद में सामने आए एक अनएडिटेड वीडियो में उन्हें परफॉर्मेंस के दौरान तारा और एपी ढिल्लों का उत्साह बढ़ाते हुए देखा गया। हाल ही में कॉफी विद करण सीजन 9 में जाह्नवी कपूर के आने पर यह कॉन्सर्ट वाला मामला फिर से चर्चा में आ गया। रैपिड–फायर राउंड के दौरान, करण जौहर ने जाह्नवी से पूछा कि वह अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के भाई वीर को डेटिंग के बारे में क्या सलाह देंगी। इस पर उन्होंने जवाब दिया, उसे कभी किसी कॉन्सर्ट में मत ले जाना। ऑनलाइन लोगों ने इस टिप्पणी को तारा और एपी ढिल्लों वाले कॉन्सर्ट विवाद से जोड़कर देखा, और कई यूजर्स ने इसे तारा पर कसा गया एक तंज माना।



सलमान खान की अपकमिंग फिल्म श्मातृभूमिश में चित्रांगदा सिंह भी नजर आने वाली हैं. दोनों पहली बार इस फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे. ऐसे में आइए जानते हैं सलमान खान की एक्ट्रेस कितनी अमीर हैं. उनकी नेटवर्थ कितनी है और वो एक फिल्म में काम करने के लिए कितनी फीस लेती हैं. खबरों के मुताबिक, सलमान खान की इस फिल्म से होने वाली अनुमानित कमाई 100–200 करोड़ रुपये के बीच है, क्योंकि माना जा रहा है कि उन्हें तयशुदा फीस के बजाय मुनाफे में हिस्सा मिल रहा है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म 125 करोड़ रुपये के बजट पर बनी है। युद्ध पर आधारित इस ड्रामा फिल्म में सलमान खान के किरदार की प्रेमिका और महिला मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने कथित तौर पर अपनी भूमिका के लिए लगभग 3–4 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म में सेना अधिकारी की भूमिका निभाने वाले अभिलाष चौधरी ने कथित तौर पर 50–70 लाख रुपये लिए। अंकुर भाटिया की फीस कितनी है?5 ६ 8 पर साझा करेंरूसलमान खान अभिनीत फिल्म श्मातृभूमिश में अहम भूमिका निभाने वाले अभिनेता अंकुर भाटिया ने कथित तौर पर 45–60 लाख रुपये कमाए। जेन शॉ ने कितनी फीस ली? क्लास जैसे ओटीटी शो में अपने अभिनय के लिए जाने जाने वाले जेन शॉ आगामी युद्ध ड्रामा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं और खबरों के अनुसार उन्होंने 25–35 लाख रुपये की फीस ली है।



टेलीविजन रियलिटी शो बिग बॉस 20 के सेट पर सलमान खान भावुक हो गए। शो में सिंगर मोहित चौहान बतौर गेस्ट पहुंचे थे। बातचीत के दौरान मोहित ने कुछ ऐसा कह दिया कि सलमान अपने आंसू नहीं रोक पाए। मोहित चौहान ने सलमान खान से कहा, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। इस पर सलमान ने उन्हें शुक्रिया कहा। आगे मोहित चौहान ने कहा, लेकिन मैं उससे भी बड़ा फैन हूं आपके पिता जी का। आगे मोहित ने साल 1963 में रिलीज हुई फिल्म बचपन का गाना, 'मुझे तुमसे मोहब्बत है, मगर मैं कह नहीं सकताश' गाया। मोहित का गाना सुनकर सलमान खान बेहद भावुक हो गए और आंसू नहीं रोक सके। बता दें कि इस गाने को लीजेंड्री गायक मोहम्मद रफी ने आवाज दी थी। इस फिल्म में सलमान के पिता सलीम खान लीड रोल में थे। उन्होंने 1960 की फिल्म बारात से बतौर हीरो करियर की शुरुआत की थी, लेकिन उनकी शुरुआती कुछ फिल्में सफल नहीं रहीं। इसी बीच उन्होंने फिल्म बचपन की।





बिना दवा बच्चे के पेट में कीडे का यूं करें उपचार

खराब लाइफस्टाइल, ज्यादा मीठा या मिट्टी खाने से बच्चों के पेट में कीड़े हो जाते हैं। इसका सबसे बड़ा लक्षण होता है पेट में अचानक से दर्द होना, भूख कम लगना और उल्टी आना। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बच्चों के कीड़े होने की संभावना ज्यादा होती है। खासकर के 6 महीने वाले बच्चे को कीड़े की दवा देनी की सलाह दी जाती है। अगर पेट में कीड़े ज्यादा हो जाएं तो इससे बच्चे की सेहत पर असर पड़ता है। कई बार पेट में घाव भी पैदा हो जाते हैं। आप चाहे तो घर बैठे ही पेट में हुए कीड़े का इलाज कर सकते हैं, इन घरेलू नुस्खों के साथ। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

अजवाइन

अगर बच्चे के पेट में कीड़े हैं तो उन्हें अजवाइन खिलाएं। इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण कीड़ों का खात्मा कर देते हैं। आपको 1ध्2 चम्मच अजवाइन पाउडर में 1ध्2 चम्मच गुड़ मिलाना है। अब इसकी गोली बनाकर बच्चे को दिन में 3 बार खिलाएं। आप चाहें तो बच्चे को आधा ग्राम अजवाइन पाउडर में चुटकी भर काला नमक मिलाकर रात को गर्म पानी के साथ पिला दें।

नीम के पत्ते

कीड़ों की समस्या से छुटकारा पाने नीम के पत्तों का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। नीम के पत्तों में भी एंटी– बैक्टीरियल गुण होते हैं। आपको नीम की पत्तियों को पीसकर शहद में मिलाकर खाली पेट सेवन करना है। इससे पेट के कीड़े मर जाते हैं।

लहसुन

लहसुन भी पेट से कीड़े निकलवाने के लिए बहुत मददगार है। इसके लिए बस लहसुन की चटनी में सेंधा नमक डालकर दिन में 2 बार इसका सेवन करें। इससे पेट के सारे कीड़े मर जाएंगे।

अनार

अनार ना सिर्फ शरीर में खून बढ़ाते हैं, बल्कि पेट के कीड़ों को भी खत्म करते हैं। अनार के छिलकों को सुखाकर उसका पाउडर बना लें। अब इसे दिन में कम से कम 2 बार 1–1 चम्मच खा लें। कुछ ही दिनों में कीड़े मर जाएंगे और आपका बच्चा हेल्दी होगा।

जानिए ओम नम शिवाय मंत्र का जाप करने के फायदे

सोमवार को भोलेनाथ का दिन होता है। इस दिन शिव जी की पूजा करते समय भक्त ओम नम शिवाय का जाप जरूर करते हैं। इस मंत्र के जाप के बिना पूजा अधूरी मानी



जाती है। कहते हैं इस मंत्र के जाप से प्रसन्न होकर शिव जी सारी मनोकामना पूरी करते हैं। आइए आपको बताते हैं ओम नम शिवाय का अर्थ और इस मंत्र का जाप करने से मिलने वाले फायदे...

ओम नम शिवाय मंत्र का अर्थ

ओम नम शिवाय का अर्थ है– आत्मा घृणा, तृष्णा, स्वार्थ, ईर्ष्या, काम, क्रोध, लोभ, मोह और माया से रहित होकर प्रेम और आनंद से परिपूर्ण होकर भगवान से मिलना।

ओम नमः शिवाय मंत्र के फायदे

– धन की प्राप्ति होती है।

– शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है।

– सभी दुखों और कष्ट की समाप्ती होती है।

भोलेनाथ की असीम कृपा बरसने लगती है।

ओम नमः शिवाय बोलने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

– इस मंत्र का जाप सुबह के समय करने सबसे उत्तम माना जाता है। सुबह उठकर स्नान करें और इसके बाद पूजा घर में या मंदिर में जाकर इस मंत्र का जाप करें।

– मंत्र का जाप करते हुए आंखें बंद रखें।

– मंत्र का जाप करते हुए सिर्फ शिव जी का ध्यान रखें। वहीं मंत्र पूरा पढ़ने के बाद शिव जी का नाम जरुर लें।

– ओम नमः शिवाय का जाप करते समय आप माला का इस्तेमाल करें। इस बात का ध्यान रखें कि माला केवल रुद्राक्ष की हो, क्योंकि शिव जी से जुड़े मंत्रों को केवल रुद्राक्ष की माला पर ही पढ़ा जाता है।

कब करना चाहिए मंत्र का जाप

इस मंत्र का जाप वैसे तो आपको रोज करना चाहिए। लेकिन शास्त्रों के अनुसार इस मंत्र का जाप सावन, माघ माह और भाद्रपद माह में करना बहुत शुभ माना जाता है। इस दौरान इस मंत्र का जाप करने से शिव जी जल्द ही प्रसन्न हो जाते हैं और हर मनोकामना पूरी हो जाती है।



वजन घटाने में मदद करेगा रात में भिगोया हुआ पिस्ता, जानिए खाने के फायदे

ड्राई फ्रूट्स की बात करें तो पिस्ता पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन–बी6, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पौटेशियम, कॉपर और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। बहुत से लोग इसका सेवन दूध में डालकर करते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि पिस्ता को पानी में भिगोकर खाना भी सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है। रोज सुबह खाली पेट भीगा हुआ पिस्ता खाने से शरीर को ढेरों फायदे मिलते हैं। इससे ब्लड शुगर कंट्रोल में रहती है हड्डियां मजबूत बनती हैं और आंखों के लिए भी यह बेहद लाभकारी होता है। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं भिगोकर पिस्ता खाने से और क्या–क्या फायदे होते हैं...

दिल रहेगा स्वस्थ

भीगे हुए पिस्ता का सेवन करने से दिल स्वस्थ रहता है। इसमें फाइबर और पोटैशियम काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। नियमित पिस्ता का सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है जिससे दिल संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

वजन घटाने में मिलेगी मदद

यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो आप भीगे हुए पिस्ता का सेवन करें। इसमें फाइबर पाया जाता है जिससे आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इसे खाने से आपको बार–बार भूख नहीं लगती और आप ओवरईटिंग से भी बच जाते हैं। ऐसे में यदि आप वजन कम करने की सोच रहे हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

पिस्ता में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ऐसे में यदि आप रोजाना भीगे हुए पिस्ता का सेवन करते हैं तो इससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत बनती है। इससे आप वायरस, बैक्टीरिया और गंभीर बीमारियों की चपेट में आने से भी बच सकते हैं।

ब्लड शुगर रहेगी कंट्रोल

भीगे हुए पिस्ता का सेवन करना डायबिटीज रोगियों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। पिस्ता का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है वहीं इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में यदि डायबिटीज के रोगी इसका सेवन करते हैं तो उनका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। इसका सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल को बढ़ने से रोकने में भी मदद मिलती है।

हड्डियां बनेगी मजबूत

भीगे हुए पिस्ता का सेवन करने से हड्डियां भी मजबूत होती हैं। इससे हड्डियों के विकास में भी मदद मिलती है। इसमें कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में मौजूद होता है जो हड्डियों के लिए बेहद लाभकारी होता है। नियमित रुप से भीगे हुए पिस्ता का सेवन करने से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

नींद आएगी अच्छी

इसके अलावा रात में सोने से पहले यदि आप पिस्ता खाते हैं तो आपको नींद भी अच्छी आती है। इसमें मैल्टोनिन नाम के हार्मोन की अच्छी मात्रा मौजूद होती है। मैलाटोनिन एक स्लीप हार्मोन है जो नींद की गुणवत्ता सुधारने में मदद करता है। ऐसे में यदि आपको रात में नींद नहीं आती तो सोने से पहले पिस्ता का सेवन जरुर करें।

कैसे करें सेवन?

रात में पिस्ता को एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें। अगली सुबह उठकर पिस्ता खाएं। आप इसका पानी भी पी सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि ज्यादा मात्रा में पिस्ता का सेवन न करें इससे सेहत को नुकसान भी हो सकता है। सीमित मात्रा में ही पिस्ता खाएं।

सिर्फ 3 दिन में घूमना चाहते हैं कश्मीर तो इन हसीन वादियों को करें एक्सप्लोर, यादगार होगा ट्रिप



अक्सर घूमने के शौकीन लोग समय मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। धरती का स्वर्ग कहे जाने वाला कश्मीर बेहद खूबसूरत है। कश्मीर अपनी हसीन वादियों, आकर्षक नजारों, पहाड़ों और झीलों तक के लिए काफी ज्यादा फेमस है। कश्मीर घूमने के लिए ना सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। यहां पर कई ऐसे आकर्षक पर्यटन स्थल हैं, जो पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। कश्मीर की सारी जगहें काफी फेमस हैं। ऐसे में अगर आप भी सिर्फ 3 दिन में कश्मीर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए हैं। हम आपको कश्मीर की कुछ बेहद फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप अपने ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पहला दिन

वैसे तो कश्मीर में घूमने के लिए कई फेमस जगहे हैं। लेकिन आप अपने सफर के पहले दिन की शुरूआत कश्मीर की राजधानी से कर सकते हैं। ट्रिप के दौरान आप श्रीनगर और उसके आसपास की फेमस जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप डल झील में शिकारा की सैर करने का लुत्फ लेना ना भूलें। साथ ही श्रीनगर में वुलर झील, बारामूला, अनंतनाग, मुगल गार्डन और शंकराचार्य मंदिर भी घूम सकते हैं।

दूसरा दिन

श्रीनगर में पहला दिन बिताने के बाद आप दूसरे दिन सोनमर्ग जा सकते हैं। श्रीनगर से सोनमर्ग की दूरी 80 किमी है। सोनमर्ग जाने में आपको करीब ढाई घंटे का समय लगेगा। सोनमर्ग में आप बालतल, विशनसर झील, थजिवास ग्लेशियर, कृष्णसार और गद्सर झील एक्सप्लोर कर सकते हैं।

तीसरा दिन

ट्रिप के तीसरे दिन और आखिरी दिन आप पहलगाम को एक्सप्लोर कर सकते हैं। पहलगाम में आप सुंदर घाटी, घने जंगल और झीलों को देख सकते हैं। वहीं अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं, तो पहलगाम घूमने के बाद आप गुलमर्ग जा सकते हैं। यहां पर आपको स्की ड्राइविंग करने का मौका मिलेगा। आपको बता दें कि गुलमर्ग की स्की ड्राइविंग दुनियाभर में फेमस है। स्की ड्राइविंग के अलावा आप यहां पर स्ट्रॉबेरी की घाटी, सबसे लंबा गोल्फ कोर्स और एप्पेर झील आदि को एक्सप्लोर कर सकते हैं।



लिवर में गंदगी जमा होने पर दिखते हैं ऐसे लक्षण, इन फूड्स की मदद से करें डिटॉक्स

लिवर हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग होता है। क्योंकि लिवर हमारे शरीर से जहरीले रसायन यानी की टॉक्सिन को बाहर निकालने का काम करता है। इसके अलावा यह पित्त का उत्सर्जन कर इंजाइम को सक्रिय करता है। इसके अलावा यह प्रोटीन और कोलेस्ट्रॉल के उत्पादन में भी सहायक होता है। लीवर विटामिन ए, मिनरल्स और आयरन का स्टोरेज भी करता है। वहीं लिवर को मजबूत और स्वस्थ बनाने में फिजिकल एक्टिविटी और एक्सरसाइज का अहम रोल होता है। लिवर को साफ करने के लिए लिवर डिटॉक्स की आवश्यकता होती है। ऐसे में लिवर को समय–समय पर साफ करना बहुत जरूरी होता है। ऐसे में अगर आप भी लिवर डिटॉक्स करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कब और कैसे लिवर को डिटॉक्स करना चाहिए।

कब करना चाहिए लिवर डिटॉक्स

मुंह व शरीर से बदबू आना

तनाव व चिंता होना

अनहेल्दी फील करना

त्वचा पर खुजली होना

गैस और पेट फूलना

मूड स्विंग होना

एनर्जी की जरूरत

दाने–धब्बे होना

मीठे की क्रेविंग

पेट में गड़बड़

जानिए क्या है लिवर डिटॉक्स

आपको बता दें कि लिवर डिटॉक्स क्लींज और फ्लश का एक ऐसा प्रोसेस हैं, जो आपके शरीर से टॉक्सिंस यानी की विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा वेट कम करने और सेहत को बेहतर बनाता है। अगर आपको बार–बार एलर्जी आदि हो रही है, तो समझ जाना चाहिए कि आपके लिवर को डिटॉक्स की जरूरत है।

कैसे करें लिवर डिटॉक्स

गर्म पानी और नींबू

अगर आप गर्म पानी में नींबू मिलाकर पीते हैं, तो यह आपके लिवर को साफ करने में मदद करता है। यह आपके शरीर से टॉक्सिन पदार्थ को बाहर निकालता है। लिवर डिटॉक्स के लिए सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से जबरदस्त लाभ मिलता है।

हल्दी का सेवन

हल्दी में कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी लिवर डिटॉक्स करना चाहते हैं, तो हल्दी का सेवन बढ़ा देना चाहिए। बता दें कि हल्दी एंजाइम बूस्टर का काम करती है। इसके सेवन से पेट के अंदर गए टॉक्सिन पदार्थ बाहर निकल जाते हैं।

सब्जियों का सेवन

ब्रोकली, सरसों का साग, पालक और गहरे रंग की सब्जियों में क्लींजिंग कंपाउंड पाया जाता है। इसके सेवन से शरीर विषाक्त पदार्थ खत्म हो जाते हैं और लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। ऐसे में आप चाहें तो लिवर डिटॉक्स के लिए इन सब्जियों के जूस का भी सेवन कर सकते हैं।

आंवला

आंवले का जूस हमारे लिवर को साफ करने में फायदेमंद होता है। आंवला में एंटी ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। जो हमारे शरीर से टॉक्सिन पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करता है।

चिया सीड्स ओट्स खिचड़ी

इसके अलावा लिवर डिटॉक्स के लिए आपको चिया सीड्स और ओट्स से बनी खिचड़ी का सेवन करना चाहिए। यह फाइबर की तरह काम करता है और लिवर की सफाई में मदद करता है। चिया सीड्स और ओट्स से बनी खिचड़ी लिवर में चिपके जिद्दी फैट और ट्राईग्लिसराइड को कम करता है।

क्राइस्टचर्च में संकट में टीम इंडिया

क्राइस्टचर्च,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 116 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की पहली पारी 356 रन पर समाप्त हुई थी। इस लिहाज से भारत 240 रन पीछे है। फिलहाल ध्रुव जुरेल सात रन बनाकर नाबाद हैं। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने भारत के शीर्ष क्रम और मध्य क्रम को झकझोर कर रख दिया। टीम इंडिया नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। वॉशिंगटन सुंदर (10) के रूप में भारत को छठा झटका लगा और इसी के साथ अंपायर ने दिन के खेल को खत्म करने की घोषणा की।

टीम इंडिया के लिए खराब रहा दूसरा दिन

भारत के लिए दूसरा दिन अच्छा नहीं रहा। पहले भारतीय फील्डर्स ने आकाश दीप की गेंद पर कुछ आसान कैच छोड़े। हालांकि, आकाश दीप ने पांच विकेट जरूर झटके। इसके अलावा कुछ रन आउट के मौके भी गंवाए गए और गेंद के किनारे लेकर कुछ शॉट फील्डरों के सामने गिर गए। इन गलतियों के कारण भारत ने कम से कम 50 अतिरिक्त रन दिए। इसके बाद रही सही कसर भारतीय बल्लेबाजों ने पूरी कर दी। अब भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है। न्यूजीलैंड के सभी तेज गेंदबाजों ने विकेट लिए हैं और उनकी नजर पहली पारी में बड़ी बढ़त हासिल करने पर होगी। अब देखना होगा कि कल मुकाबले में क्या होता है।

भारत की पहली पारी

भारत को पारी के पहले ही ओवर में शून्य पर पहला झटका लगा। मैट हेनरी ने यशस्वी जायसवाल को क्लीन बोल्ड किया। यशस्वी खाता नहीं खोल सके। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने केएल राहुल के साथ मिलकर पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को काइल जेमीसन ने तोड़ा। उन्होंने पडिक्कल को विकेटकीपर ब्लंडेल के हाथों कैच कराया। पडिक्कल 20 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 21 रन बना सके। जेमीसन ने इसके बाद कप्तान शुभमन गिल को टॉम लाथम के हाथों कैच कराया। गिल 29 गेंद में तीन चौके की मदद से 17 रन बना सके। गिल और राहुल के बीच 26 रन की साझेदारी हुई। फिर ऋषभ पंत ने मैदान पर आक्रामक शॉट्स लगाए, लेकिन बड़े शॉट के चक्कर में वह एक बार फिर विकेट गंवा बैठे। पंत ने 39 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए। पंत और राहुल के बीच 37 रन की साझेदारी हुई। उन्हें



जैकब डफी ने जेमीसन के हाथों कैच कराया। इसके बाद डफी ने केएल राहुल कॉनवे के हाथों कैच कराया। राहुल 80 गेंद में तीन चौके की मदद से 25 रन बना सके। इसके बाद से सुंदर और जुरेल ने संभल कर बल्लेबाजी की। दोनों ने भले ही 12 रन जोड़े लेकिन इसके लिए 91 गेंदें खेलीं। हालांकि, नाथन स्मिथ ने सुंदर को लाथम के हाथों कैच कराया और पवेलियन भेजा। सुंदर 10 रन बना सके। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भारत के लिए यह टेस्ट जीतना बहुत जरूरी है। हार या ड्रॉ रहने पर भारत फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो जाएगा। साथ ही गिल एंड कंपनी को यह भी ध्यान रखना है कि भारत को चौथी पारी में बल्लेबाजी करनी है।

न्यूजीलैंड की पहली पारी

इससे पहले न्यूजीलैंड की पहली पारी दूसरे दिन 356 के स्कोर पर सिमट गई। भारत के आकाश दीप ने इस पारी में अपना पांच विकेट हॉल पूरा किया।

यह उनका टेस्ट में दूसरा फाइव विकेट हॉल रहा। उन्होंने 31.3 ओवर में 99 रन देकर पांच विकेट लिए।

शनिवार को क्या क्या हुआ?

शनिवार यानी दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 246 रन से आगे खेलना शुरू किया। आज के दूसरे ही ओवर में अंशुल कंबोज ने ग्लेन फिलिप्स को आउट कर झटका दिया। फिलिप्स 67 गेंद में पांच चौके की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने ब्लंडेल के साथ छठे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद ब्लंडेल ने नाथन स्मिथ के साथ सातवें विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को आकाश दीप ने तोड़ा। आकाश ने स्मिथ का कैच अपनी ही गेंद पर लपका। वह 45 गेंद में चार चौके की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद काइल जेमीसन ने ब्लंडेल के साथ 33 रन की साझेदारी निभाई। आकाश ने फिर जेमीसन को यशस्वी के हाथों कैच कराया। जेमीसन ने 19 रन बनाए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने हेनरी के दो–दो कैच छोड़ दिए और दूसरे दिन लंच तक न्यूजीलैंड का स्कोर आठ विकेट पर 330 रन रहा।

110 रन बनाने में बाकी के पांच विकेट गंवाए

दूसरे सत्र में आकाश दीप की गेंद पर गुरनूर बराड़ ने हेनरी का आसान कैच छोड़ा। इसके बाद 346 के स्कोर पर न्यूजीलैंड को नौवां झटका लगा। भले ही आकाश दीप की गेंद पर भारतीय फील्डर्स ने कैच छोड़े, लेकिन उन्होंने गुरनूर की गेंद पर टॉम ब्लंडेल का कैच लपक लिया। इसके साथ ही ब्लंडेल की 211 गेंद में 89 रन की जुझारू पारी का अंत हुआ। वह शतक से 11 रन दूर रह गए। उनकी पारी में 10 चौके शामिल रहे। इसके बाद आकाश दीप ने मैट हेनरी को आउट कर पारी को समेट दिया। हेनरी 25 गेंद में 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आज न्यूजीलैंड ने 110 रन बनाने में अपने बाकी के पांच विकेट गंवा दिए। भारत की ओर से आकाश दीप के अलावा अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ ने दो–दो विकेट लिए। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर को एक विकेट मिला।

संक्षिप्त



जम्मू–कश्मीर में 1.28 लाख करोड़ रुपये की सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाएं जारी

जम्मू–कश्मीर में लगभग 42,121 किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है, जबकि यहां की कुल सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाएं लगभग 1.28 लाख करोड़ रुपये की हैं। इसमें जारी, स्वीकृत और प्रस्तावित परियोजनाएं शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल कुमार सिंह ने यह जानकारी दी। सिंह ने केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और विकास योजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए मुख्य सचिव सज्जन सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित एक समीक्षा बैठक में यह बात कही। राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यक्रम का विवरण देते हुए सिंह ने कहा कि 39,784 करोड़ रुपये के 43 कार्यों पर काम चल रहा है, जबकि 9,187 करोड़ रुपये की 11 स्वीकृत परियोजनाएं शुरू होने की प्रतीक्षा में हैं। उन्होंने बताया कि अनुमानित 70,839 करोड़ रुपये की 31 अन्य परियोजनाएं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) या सैद्धांतिक मंजूरी के चरण में हैं। उन्होंने कहा कि जेड–मोड़ सुरंग को चालू कर दिया गया है और इस पर आवागमन शुरू हो गया है, जबकि जोजिला सुरंग की मुख्य आर–पार खुदाई नौ जून, 2026 को हो गई थी।

वेडिंग सीजन में बढ़ेगी Retail Inflation, वित्त मंत्रालय ने दी चेतावनी

शादियों और त्योहारों के दौरान खाद्य एवं गैर–खाद्य वस्तुओं की मांग बढ़ने से आगामी महीनों में खुदरा महंगाई दर में वृद्धि होने की आशंका है। वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में शनिवार को यह राय जताई गई। मंत्रालय ने नवंबर की मासिक आर्थिक समीक्षा (एमईआर) में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026–27 की दिसंबर तिमाही में घरेलू आर्थिक गतिविधियों की गति बरकरार रहने की उम्मीद है। उच्च आवृत्ति वाले संकेतक वस्तुओं के परिवहन, कर संग्रह, ऊर्जा खपत और माल ढुलाई में लगातार वृद्धि का संकेत दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया, ''पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर जोखिम और वैश्विक व्यापार नीतियों को लेकर अनिश्चितता आर्थिक परिदृश्य के लिए प्रमुख चुनौती बने हुए हैं। हालांकि, मजबूत व्यापक आर्थिक आधार और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था इन चुनौतियों से निपटने की स्थिति में है।'' वित्त मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जोखिमों के कारण कच्चे तेल के आयात बिल और समुद्री माल भाड़े में उतार–चढ़ाव बना रह सकता है। आपूर्ति से जुड़े इन झटकों का असर आने वाले महीनों में थोक और खुदरा कीमतों पर पड़ सकता है। हालांकि, नवंबर की शुरुआत में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने और मजबूत पूंजी प्रवाह के चलते रुपये में आई मजबूती से आयातित महंगाई के दबाव में कुछ राहत मिल सकती है, बशर्ते यह रुझान कायम रहे। एमईआर में कहा गया, ''नवंबर तक त्योहारों का सिलसिला जारी रहने और शादियों के सीजन की शुरुआत के साथ खाद्य एवं गैर–खाद्य वस्तुओं की मांग बढ़ने से आगामी महंगाई आंकड़ों में तेजी का जोखिम रह सकता है।'' खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में दो साल में पहली बार रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा के पार निकल गई थी। खाद्य महंगाई में तेज वृद्धि और प्रतिकूल आधार प्रभाव के कारण अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिकूल आधार प्रभाव का असर नवंबर के महंगाई आंकड़ों में भी देखने को मिल सकता है। इसमें कहा गया है, ''आधार प्रभाव बने रहने और मौसम संबंधी अनिश्चितताओं, खासकर मजबूत अल नीनो की संभावना के कारण निकट भविष्य में महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है।'' देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 नवंबर, 2026 तक 705.3 अरब डॉलर था, जो करीब 10 महीने के आयात के बराबर है।

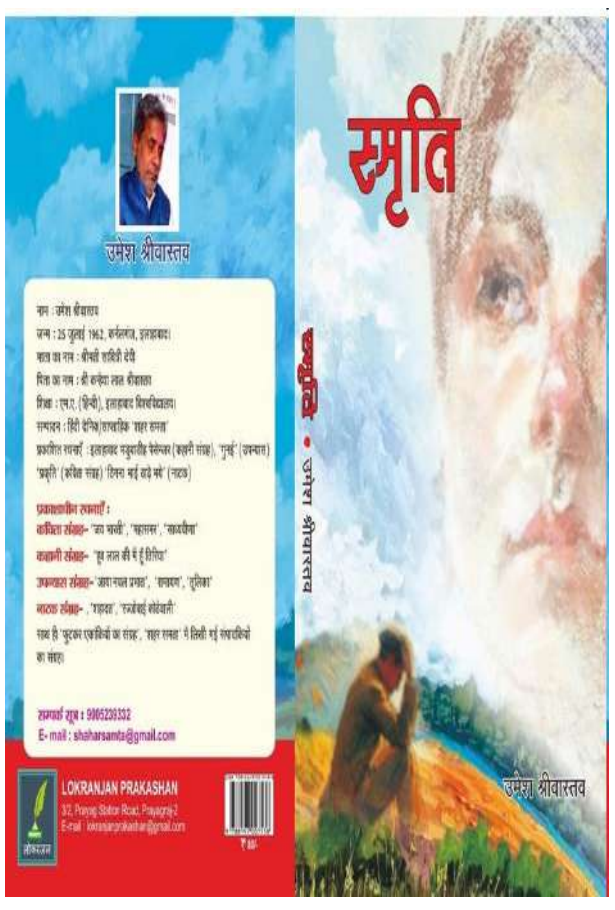
विदेशी पूंजी प्रवाह से नवंबर में चमके भारतीय बाजार, HSBC ने घरेलू वृद्धि को बताया अहम

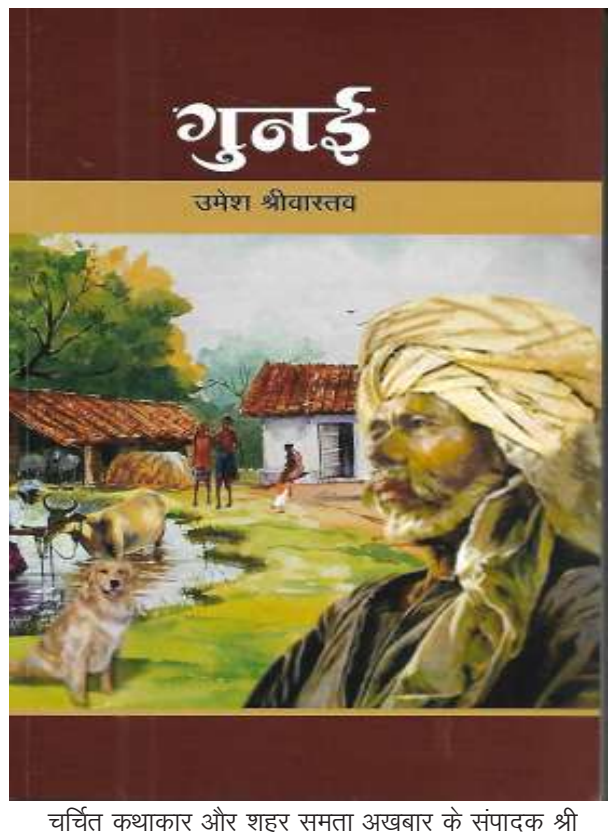
भारतीय वित्तीय बाजारों में नवंबर के दौरान व्यापक सुधार देखने को मिला। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े शेयरों में कमजोरी और विदेशी कोषों के ताजा प्रवाह से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च ने यह बात कही। इस सुधार के साथ भारतीय बाजारों ने अन्य उभरते बाजारों के मुकाबले पिछले कुछ महीनों के कमजोर प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया है। शेयर, रुपया और सरकारी बॉन्ड सभी में तेजी आई है, जो बाजार की धारणा में जोखिम से बचने के बजाय जोखिम लेने की प्रवृत्ति की ओर बदलाव का संकेत है। हालांकि, विदेशी ब्रोकरेज कंपनी एचएसबीसी के मुताबिक, इस तेजी को 2027 तक बनाए रखने के लिए घरेलू आर्थिक वृद्धि की उम्मीदों में मजबूती और बैंकिंग प्रणाली में नकदी की उपलब्धता बढ़ना जरूरी होगा। प्रणाली में नकदी सीमित बनी रह सकती है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बढ़ती महंगाई के बीच अपनी मौद्रिक नीति को सख्त कर रहा है। एचएसबीसी ने कहा, भारत अब जोखिम से बचने के बजाय जोखिम लेने की स्थिति में आ गया है। भारतीय बाजार 2026 के अधिकतर समय में उभरते बाजारों (ईएम) के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन नवंबर में स्थिति बदल गई। इस दौरान भारतीय बाजारों ने शेयर, विदेशी मुद्रा और ब्याज दरों के मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन किया। रिपोर्ट के अनुसार सेंसेक्स में नवंबर में अब तक करीब 13 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, रुपया मजबूत होकर आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और इसने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.50 के स्तर से नीचे कारोबार किया। इसके अलावा 10 साल के मानक सरकारी बॉन्ड प्रतिफल में करीब 20 आधार अंक की गिरावट आई। बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट को उनकी कीमतों में तेजी का संकेत माना जाता है। यह तेजी ऐसे समय आई है, जब बैंकिंग प्रणाली में नकदी की उपलब्धता पर दबाव बना हुआ है। एचएसबीसी ने कहा कि शेयर, मुद्रा और बॉन्ड बाजारों में एक साथ सुधार तथा शेयर एवं ऋण बाजारों के रिटर्न के बीच सकारात्मक संबंध व्यापक स्तर पर निवेशकों की जोखिम लेने की बढ़ती इच्छा को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में विदेशी निवेशकों की वापसी बाजार में तेजी का एक प्रमुख कारण रही है।

ईपीएफओ सदस्यों को रिटायरमेंट बाद किस्तों में निकासी पर नहीं देना होगा टैक्स

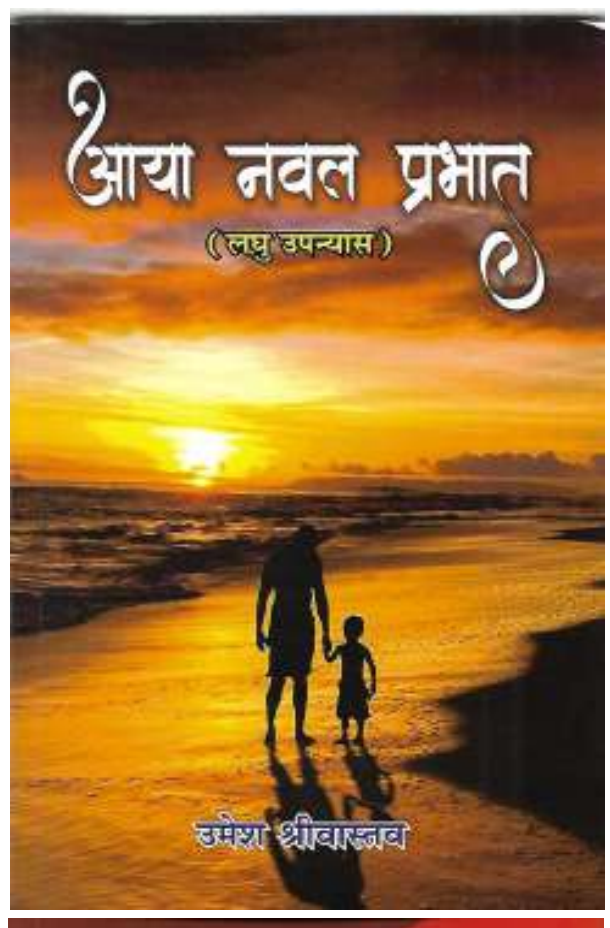
नयी दिल्ली। ईपीएफओ प्रमुख और केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त रमेश कृष्णमूर्ति ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी भविष्य निधि से किस्तों में निकाले जाने वाले पैसे पर कोई कर नहीं लगेगा और बची हुई राशि पर वही ब्याज मिलेगा जो दूसरे अंशधारकों को पीएफ पर सालाना मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि नियमित किस्त निकासी योजना (एसडब्ल्यूपी) को लागू करने के लिए ईपीएफ से जुड़े प्रावधान में संशोधन करने के साथ आयकर कानून में जरूरी संशोधन करने होंगे। ईपीएफओ ने यह प्रस्ताव श्रम मंत्रालय को भेज दिया है। श्रम मंत्रालय आयकर कानून में संशोधन से जुड़े प्रस्ताव को लेकर वित्त मंत्रालय से बातचीत कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि प्रस्ताव बजट पारित होने के बाद एक अप्रैल से लागू हो जाएगा।

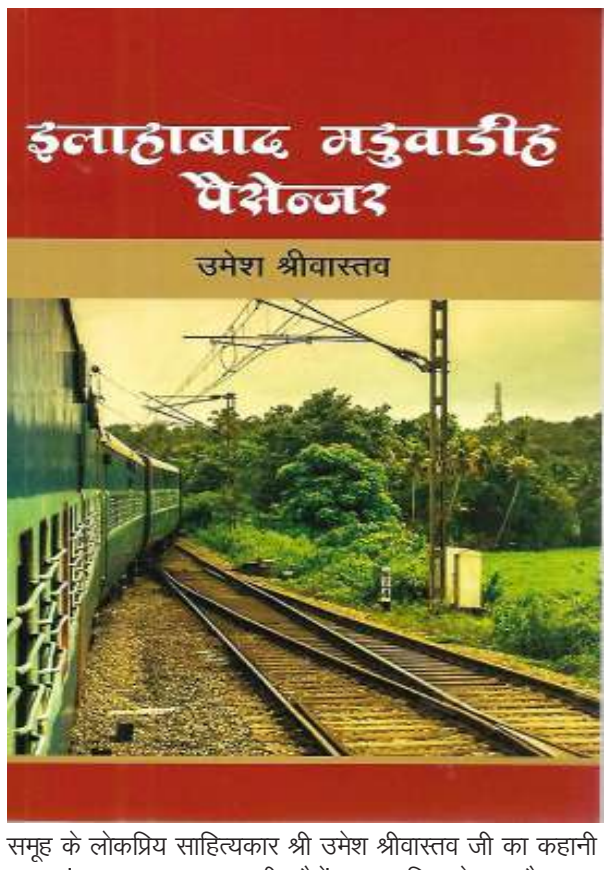
उल्लेखनीय है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पिछले सप्ताह कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) निकासी के नियमों में व्यापक बदलावों को मंजूरी दी। इसके तहत सेवानिवृत्त होने वाले सदस्य अब अपनी पीएफ की जमा राशि नियमित किस्तों में निकाल सकेंगे।



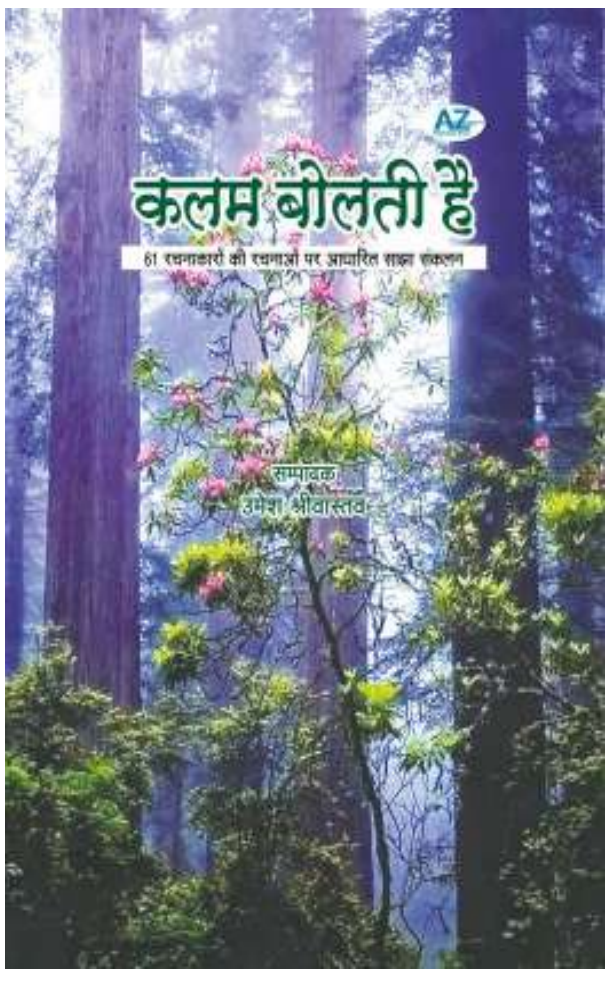


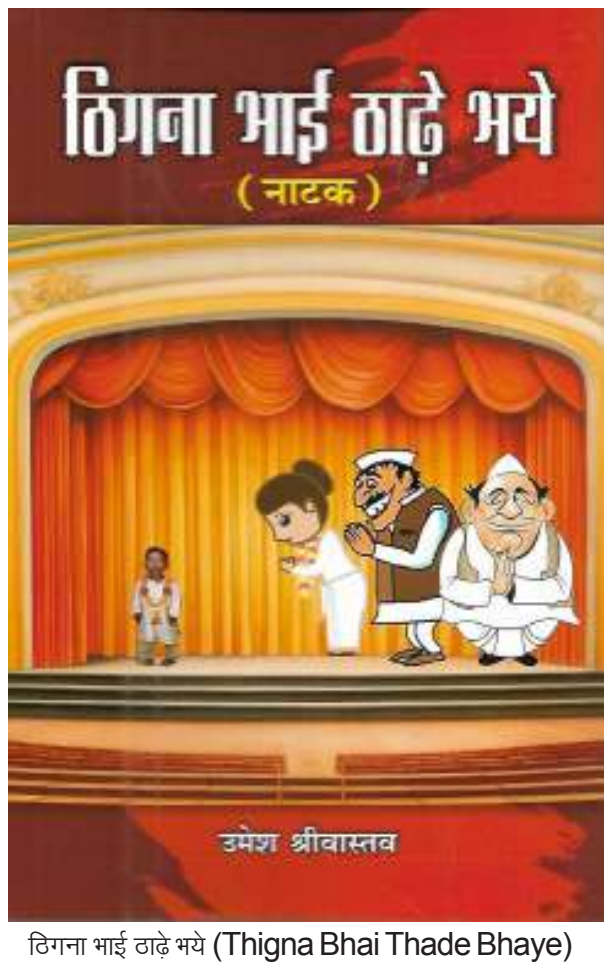
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित





समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

यमन में हूती ठिकानों पर कई हवाई हमले: गाजा में इस्राइली हमले से दो की मौत; अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज अगवा

सना। मध्य पूर्व में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। यमन की राजधानी सना में शनिवार तड़के हुए हवाई हमले में कम से कम 15 लोग घायल हो गए। वहीं, लाल सागर के किनारे स्थित एक बंदरगाह शहर में बिजली संयंत्र में आग लग गई। दूसरी तरफ, गाजा में एक क्लिनिक के पास इस्राइली हमले में दो लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा यमन के पास अदन की खाड़ी में हथियारबंद लोगों ने एक मालवाहक जहाज पर कब्जा कर लिया। इन घटनाओं ने क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

यमन में कहां–कहां हुए हवाई हमले और कितना नुकसान हुआ?

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अनीस अल–असबहानी के मुताबिक, राजधानी सना के अबू शामला इलाके में शनिवार तड़के हुए हवाई हमले में कम से कम 15 लोग घायल हुए हैं। घायलों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले अल–मसीरा टीवी ने दावा किया कि हमले में कम से कम आठ मकान और तीन दुकानें क्षतिग्रस्त हुई हैं। एक गैस स्टेशन को भी निशाना बनाया गया। वहीं, लाल सागर के बंदरगाह शहर मोखा में हुए हमलों के कारण बिजली संयंत्र में आग लग गई। हूती विद्रोहियों ने इन हमलों के लिए सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराया है।



सऊदी अरब ने हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले को कैसे नाकाम किया?

हवाई हमलों के बीच सऊदी अरब ने भी दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने शनिवार तड़के राजधानी रियाद की ओर दागी गई हूती क्रूज मिसाइल को रोककर नष्ट कर दिया। इससे पहले हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने शुक्रवार को सना, लाल सागर के पास स्थित होदेइदा और सऊदी सीमा से लगे सादा प्रांत में हवाई सैन्य अभियान चलाने की जानकारी दी थी। इस तरह यमन में हवाई हमलों और मिसाइल कार्रवाई के बीच तनाव और बढ़ गया है।

गाजा में इस्राइली हमले में किन दो लोगों की मौत हुई?

गाजा में एक क्लिनिक के पास शुक्रवार देर रात हुए इस्राइली हमले में डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स संगठन के दो सुरक्षा कर्मचारियों की मौत हो गई। संगठन ने शनिवार को घटना पर गहरा दुख और नाराजगी जताई। उसके मुताबिक, दोनों कर्मचारी गाजा सिटी स्थित उसके क्लिनिक में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते थे। संगठन ने कहा कि क्लिनिक पर उसके लोगो साफ तौर पर लगे थे और उसकी लोकेशन की जानकारी इस्राइली सेना के साथ साझा की गई थी। संगठन के अनुसार, इस हमले के बाद गाजा में मारे गए उसके कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है।

इस्राइली सेना ने हमले को लेकर क्या दावा किया?

इस्राइली सेना ने शनिवार को कहा कि उसने गाजा सिटी में हमास के दो लड़ाकों को मार गिराया है। सेना के मुताबिक, दोनों एक क्लिनिक में सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम कर रहे थे। हालांकि, सेना ने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। दूसरी तरफ, डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने दोनों मृतकों को अपना सहयोगी बताया है। संगठन का कहना है कि क्लिनिक की पहचान और उसके स्थान की जानकारी पहले ही इस्राइली सेना को दी जा चुकी थी। इस घटना ने गाजा में चिकित्सा और मानवीय संगठनों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

यमन के पास मालवाहक जहाज पर किसने किया कब्जा?

यमन के पास अदन की खाड़ी में शनिवार को हथियारबंद लोगों ने एक मालवाहक जहाज पर कब्जा कर लिया। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन संगठन के मुताबिक, जहाज को यमन के बंदरगाह शहर बलहाफ से करीब 63 समुद्री मील दक्षिण–पश्चिम में अगवा किया गया। हथियारबंद लोग जहाज पर चढ़ गए और उसका नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। संगठन ने इसे जहाज के अपहरण की घटना बताया है। हालांकि, अब तक किसी संगठन या समूह ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है।

अफगानिस्तान: स्कूल में धमाके से मची तबाही, सात लोगों की मौत, 90 से ज्यादा जख्मी

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी कुनार प्रांत में शनिवार को एक स्कूल में हुए विस्फोट में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 से अधिक लोग घायल हो गए। प्रांत के संस्कृति एवं सूचना निदेशक ने बताया कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विस्फोट पास में स्थित विस्फोटक सामग्री के एक गोदाम से हुआ। सामी उल हक बयान ने बताया कि प्रांतीय राजधानी असदाबाद के बाहरी इलाके में स्थित स्कूल में हुए विस्फोट की शुरुआती जांच



में खनन कंपनियों के विस्फोटक रखने वाले गोदाम में लापरवाही की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि घायलों में से 15 को अस्पताल में भर्ती रखा गया है, जबकि बाकी लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। इससे पहले कुनार प्रांतीय पुलिस मुख्यालय के प्रवक्ता फरीद देहकान ने बताया था कि विस्फोट सुबह करीब 10 बजे असदाबाद के बाहरी इलाके में अंडर सेर क्षेत्र स्थित एक स्कूल में हुआ। इससे पहले अगस्त में अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक स्कूल परिसर पर हुए हैंड ग्रेनेड हमले में 40 से अधिक बच्चे घायल हो गए थे। घायलों की उम्र 9 से 14 साल के बीच थी।

पेरू में घात लगाकर भारतीय से लूट: नकाबपोश 10 बदमाशों ने बरसाई गोलियां, गहने लूटे

पेरू। पेरू में एक भारतीय व्यक्ति और एक पेरूवियन महिला पर जानलेवा हमला हुआ। बंदूक लिए नकाबपोश लुटेरों के एक समूह ने हाईवे के बीचों–बीच उनकी गाड़ी को रोककर गहनों से भरे पैकेट लूट लिए। यह घटना पेरू की राजधानी लीमा के पास कैलाओ में हुई। इस हमले के दौरान 30 से ज्यादा राउंड गोलियां चलाई गईं। अधिकारियों के मुताबिक, अपराधियों ने गाड़ी का पीछा किया था और फिर उसे रोककर दिन–दहाड़े इस लूट को अंजाम दिया। एल कॉमर्सियो की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 6रू30 बजे हुआ। उस समय पीड़ित – भारतीय नागरिक विजय पगरानी इजा और 35 वर्षीय पेरूवियन नागरिक मारी नताली मिरांडा एस्पिनोजा – जॉर्ज चावेज इंटरनेशनल एयरपोर्ट जा रहे थे। विजय और मारी दोनों को सैन मिगुएल स्थित सैन जुडास टैडियो क्लिनिक ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है और वे खतरे से बाहर हैं। पास की एक इमारत से रिकॉर्ड किए गए इस घटना के खौफनाक वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि बंदूकधारी गाड़ी को घेर लेते हैं और खिड़कियों पर गोलियां चलाते हैं। बताया जा रहा है कि लुटेरों ने गाड़ी में सवार एक व्यक्ति (संभवतः विजय) को जबरन बाहर खींचा और फुटपाथ पर छोड़ दिया। इसके बाद, वे गहनों से भरे पैकेट वाले ब्रीफकेस लेकर अपनी गाड़ियों में सवार होकर मौके से फरार हो गए। कैलाओ पुलिस क्षेत्र के प्रमुख, जनरल ओल्गार बेनाविडेस ने पुष्टि की कि यह लूट और मारपीट का मामला है। इस लूट में लगभग दस अपराधी शामिल थे, जिन्होंने पीड़ितों का रास्ता रोकने और वहां से भागने के लिए तीन वैन और अन्य वाहनों का इस्तेमाल किया। राष्ट्रीय पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए हैं। हमलावरों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए जांच चल रही है। पुल के पास कुछ मोबाइल फोन भी पड़े मिले हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ये फोन पीड़ितों के हैं या अपराधियों के।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

लंदन: 83 की उम्र में दादी ने गुदवाया पहला टैटू, 31 की पोती को मिला सबक

जिंदगी की रेस से बाहर होने का डर खत्म

लंदन। अक्सर जीवन के किसी मोड़ पर हमें ऐसा लगने लगता है कि समय हाथ से निकल रहा है। करियर की धीमी रफ्तार, अधूरे सपने और समाज के तय किए गए पैमाने इंसान को भीतर से तोड़ने लगते हैं। लेकिन एक 83 वर्षीय दादी के साहस और जिंदादिली ने न केवल उनकी 31 वर्षीय पोती की सोच बदल दी, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि नए अनुभवों और सपनों को जीने की कोई उम्र नहीं होती। यह कहानी है स्वतंत्र पत्रकार एडन मिलन और उनकी दादी कैरोलीन की, जिन्हें परिवार में प्यार से 'मीमम' कहकर पुकारा जाता है। टेक्सास में रहने वालीं मीमम की इस अनोखी यात्रा ने उम्र को लेकर प्रचलित तमाम धारणाओं को चुनौती दी है। बात 2024 की गर्मियों की है। एडन की शादी से ठीक एक रात पहले उत्तरी अमेरिका से आए परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान एडन थोड़ी चिंतित थीं। वह 31 वर्ष की होने वाली थीं और दो वर्षों बाद अपनी दादी से मिल रही थीं। इस बीच एडन ने अपने शरीर पर कुछ नए टैटू बनवा लिए थे। चूंकि दादी की स्वीकृति उनके लिए बहुत मायने रखती थी, इसलिए वह उन्हें दिखाने को लेकर थोड़ा संकोच कर रही थीं। इस मुलाकात के कुछ ही महीनों बाद मीमम ने एक ऐसा प्रस्ताव रखा जिसने एडन को चौंका दिया। उन्होंने कहा कि जब वह अगली पतझड़ में लंदन आएंगी, तो एडन उनका पहला टैटू बनवाने में मदद करें। मीमम ने तय किया कि वह अपने कंधे पर टैटू बनवाएंगी। शुरुआत में उनके मन में कई विचार आए, कभी उन्होंने अपने चार बच्चों के प्रतीक के रूप में चार छोटे पक्षियों या फूलों के बारे में सोचा, तो कभी पीठ पर 'जिंदगी एक बार मिलती है' जैसी भावना को उकेरने का विचार आया। यह पूरी प्रक्रिया एडन के लिए बड़ा सहारा भी बनी, जब वह अपने करिअर को लेकर भीतर ही भीतर परेशान थीं। उनके मन में यह भावना घर कर रही थी कि बाकी लोग उनसे अधिक युवा, प्रतिभाशाली और समझदार हैं। उन्हें बार–बार लग रहा था कि कहीं वह अवसरों की दौड़ में पीछे न छूट जाएं। ऐसे में दादी के टैटू की योजना ने उनका ध्यान बंटाया और आगे की जिंदगी के लिए प्रेरित किया।



अमेरिका पर एक और साइबर हमला: अब वायुसेना के क्लाउड सिस्टम को हैकरों ने बनाया निशाना, क्या खतरे में सैन्य राज?

वॉशिंगटन। अमेरिका की वायुसेना के सबसे अहम डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हैकरों ने सेंध लगा दी है। इस हमले ने अमेरिकी सैन्य व्यवस्था की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैकरों ने क्लाउड वन नाम के प्लेटफॉर्म को निशाना बनाया है, जहां वायुसेना के कर्मचारियों का रिकॉर्ड, भुगतान, हथियारों और सैन्य उपकरणों की जानकारी से जुड़े कई सिस्टम काम करते हैं। हमले का पता चलने के बाद प्लेटफॉर्म पर कई गतिविधियां रोकनी पड़ी हैं। इस सेंधमारी का पता पिछले एक महीने के दौरान प्लेटफॉर्म को अपग्रेड करने के समय चला।

इटली में शिक्षा सुधार कानून को मिली मंजूरी: स्कूलों में बुर्का–नकाब पर बैन

इटली। इटली ने शिक्षा में एक सुधार को मंजूरी दी है। इसके तहत स्कूलों में चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ ही पहली कक्षा में विदेशी मूल के छात्रों की संख्या को 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है। विपक्षी दलों ने इस कदम को भेदभावपूर्ण बताया है। चौंबर ऑफ डेप्युटीज (इटली की संसद का निचला सदन) ने 142 वोटों के समर्थन, 112 वोटों के विरोध और चार सदस्यों के मतदान न करने के साथ इस सुधार को मंजूरी दी। इस सुधार के अंतर्गत, उन विदेशी अभिभावकों के लिए इतालवी भाषा के कोर्स भी शुरू किए जाएंगे, जिनके बच्चों को देश की शिक्षा प्रणाली में ढलने में कठिनाई हो रही है।



क्या है नया कानून?

डेक्रेटो स्कुओला के नाम से जाना जाने वाला यह कानून, 20 नवंबर को सीनेट में पहले ही पारित किया जा चुका था। यह 30 सितंबर, 2026 के शडिक्री–लॉ 170श का हिस्सा है। इसमें ऐसे उपाय शामिल हैं जो 2026–27 शैक्षणिक सत्र की नियमित शुरुआत सुनिश्चित करते हैं, नेशनल रिकवरी एंड रेजिलिएंस प्लान के तहत पहलों को समर्थन देते हैं, और विदेशी छात्रों के एकीकरण को बढ़ावा देते हैं। नए नियमों के तहत, मुस्लिम छात्राओं को कक्षाओं में बुर्का और नकाब पहनने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, विदेशी मूल के छात्रों पर लगाई गई 30 प्रतिशत की सीमा उन छात्रों पर लागू नहीं होगी, जिन्हें पहले से ही इतालवी भाषा का पर्याप्त ज्ञान है। निचले सदन में अंतिम मतदान के दौरान विपक्षी सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सदन के भीतर एक ऐसा पोस्टर दिखाया जिस पर लिखा था, श्स्कूल में कोई भी विदेशी नहीं होता।श

शिक्षा में किए गए नए सुधारों का प्रस्ताव क्या है?

गैर–इतालवी छात्रों पर 30 प्रतिशत की सीमा कोई पूरी तरह से नई बात नहीं है। इसी तरह की एक पाबंदी 2010 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री मारियास्टेला गेल्मिनी की ओर से जारी एक सर्कुलर के जरिए लगाई गई थी। हालांकि, स्थानीय जनसांख्यिकीय स्थितियों और लचीलेपन की कमी के कारण, विशेष रूप से शहरों के बाहरी इलाकों में, इसे अक्सर लागू नहीं किया जा सका।

विदेशी अभिभावकों के लिए क्या है?

नए कानून में विदेशी अभिभावकों के लिए इतालवी भाषा के कोर्स का प्रावधान भी है, खासकर उन लोगों के लिए जिनके बच्चों को राष्ट्रीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में घुलने–मिलने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मेलोनी ने क्या कहा था?

इस साल की शुरुआत में, प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार स्कूलों में बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध लगाने, कक्षाओं में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने और घुलने–मिलने में कठिनाई का सामना कर रहे बच्चों के अभिभावकों के लिए इतालवी भाषा सीखना अनिवार्य करने के लिए कानून तैयार कर रही है।

ईरान की धमकी: एआई वीडियो से अमेरिकी टेक कंपनियों की तबाही दर्शायी

ईरान। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव के बीच ईरान की सरकारी मीडिया ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बना वीडियो जारी कर दुनिया की दिग्गज अमेरिकी टेक कंपनियों को सीधी धमकी दी है। इस वीडियो में ई–कॉमर्स दिग्गज अमेजन, सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट और एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स के मुख्यालयों पर ड्रोन हमलों और भीषण आगजनी के दृश्य दिखाए गए हैं।

पछतावा या विनाश, फैसला अमेरिका के हाथ में

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने गुरुवार को टेलीग्राम पर यह वीडियो साझा किया। अंग्रेजी भाषा में वॉयस–ओवर (नैरेशन) वाले इस वीडियो की शुरुआत इस चेतावनी के साथ होती है हम अपने बच्चों के हत्यारों को बख्शेंगे नहीं। वीडियो में आगे अमेरिकी नागरिकों और कंपनियों के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा गया है, 'हम अमेरिकी जनता को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएंगे, लेकिन इसे एक चेतावनी समझें। ईरान पर हुए हमलों में शामिल कंपनियों को या तो हर्जाना भरना होगा और पश्चाताप करना होगा, या फिर उसी स्तर की तबाही झेलने के लिए तैयार रहना होगा। क्लिप के अंत में अमेरिका को सीधा संदेश देते हुए कहा गया है– ष्पछतावा या विनाश? चुनाव आपका है, अमेरिका।

मिनाब स्कूल हमले और पेंटागन का भी जिक्र

टेलीग्राम पर वीडियो के साथ साझा किए गए संदेश में इन टेक कंपनियों पर अमेरिकी और इस्राइली सैन्य इकाइयों के साथ गुप्त सहयोग करने का आरोप लगाया गया है। ईरान ने इसमें दक्षिणी ईरान के मिनाब स्थित शजरेह तैय्येब प्राथमिक विद्यालय पर 28 फरवरी को हुए बम हमले का भी हवाला दिया है। अमेरिका–इस्राइल सैन्य अभियान के पहले दिन हुए इस मिसाइल हमले में स्कूल में पढ़ रहीं कम से कम 165 छात्राओं की मौत



हो गई थी। इसके अलावा, वीडियो में अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की एक प्रेस विज्ञप्ति की तस्वीर भी दिखाई गई है, जिसमें अमेजन वेब सर्विसेज, स्पेसएक्स और माइक्रोसॉफ्ट के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साझेदारी का जिक्र है।

अमेरिकी सैन्य अभियान की फंडिंग को लेकर अनिश्चितता के बीच आई धमकी: ईरान की यह धमकी ऐसे समय में आई है जब ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान की अवधि और भविष्य को लेकर वाशिंगटन में अनिश्चितता बनी हुई है। 24 नवंबर को न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए एक साक्षात्कार में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस सैन्य अभियान के लिए लगभग जनवरी 2027 के अंत तक का बजट (फंडिंग) उपलब्ध है।

फर्जी प्रोफाइल मुसीबत, एआई के डर से इंस्टाग्राम–फेसबुक छोड़ रहे कलाकार

जिस सोशल मीडिया ने कलाकारों को दुनिया में पहचान और बाजार दिया, अब वही उनके लिए मुसीबत बन गया है। एआई से कलाकृतियों की नकल, कलाकारों के नाम से फर्जी प्रोफाइल और उनकी कृतियों से दूसरों की कमाई ने स्वतंत्र कलाकारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि कई कलाकार अपनी रचनात्मक पहचान और बौद्धिक संपदा बचाने के लिए इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे लोकप्रिय मंचों से दूरी बना रहे हैं। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन के वॉटरकलर कलाकार मैटी बर्नहैम को 2024 में पता चला कि उनकी एक कलाकृति का इस्तेमाल पिंटरेस्ट पर फर्जी अकाउंट चलाने के लिए किया जा रहा है। उनकी पेंटिंग के एआई संस्करण तैयार कर फर्जी प्रोफाइल के जरिये शॉपिफाई, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बेचे जा रहे थे।

बर्नहैम ने उस अकाउंट का पता वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर तक लगाया, लेकिन इसके पीछे कौन था, यह पता नहीं चल सका। कलाकारों की चिंता मेटा की प्रस्तावित सेवा शर्तों को लेकर भी है। आशंका है कि नई व्यवस्था के तहत उनकी तस्वीरों, कलाकृतियों और रचनात्मक शैली का इस्तेमाल उनकी जानकारी या सहमति के बिना एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने में हो सकता है।



संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।